● वर्ष : 17 ● अंक : 164 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 04 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

जन विश्वास विधेयक जीवन और व्यापार सुगमता के लिए बड़ा कदम : पीएम मोदी

नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संसद में जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने को देश में जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि संसद द्वारा विधेयक पारित किए जाने से उन्हें ''अत्यंत प्रसन्नता'' हुई है। भारत सरकार ने देश के विनियामक ढांचे में एक क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए जन विश्वास विधेयक, 2026 को संसद से मंजूरी दिला दी है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक के पारित होने को नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने इस विधेयक को जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए प्रोत्साहन बताया। एक्स पर अपने संदेश में पीएम मोदी ने इस विधायी सुधार के मुख्य लाभों को रेखांकित किया। यह विधेयक सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की नींव को मजबूत करता है। पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त कर शासन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया है। छोटे-मोटे अपराधों को अपराध

की श्रेणी से बाहर करने से अदालतों पर मुकदमों का बोझ कम होगा और मामलों का त्वरित निपटारा होगा। पीएम मोदी ने इस विधेयक के निर्माण में अपनाई गई गहन परामर्श प्रक्रिया की भी सराहना की। पीएम मोदी ने विधेयक के मसौदे में अपने विचार साझा करने वाले तथा सदन में इसका समर्थन करने वालों की भी सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद में जन विश्वास विधेयक का पारित होना भारत के लिए जीवन और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में एक ''बड़ा कदम'' है। गृह मंत्री ने पोस्ट में कहा कि कई कानूनी प्रावधानों में कटौती करके, यह विधेयक पीएम मोदी के नए भारत के सपने को साकार करता है और सभी के लिए जीवन को आसान और व्यापार को सरल बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- शिक्षा जीवन को श्रेष्ठ बनाने का सशक्त माध्यम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी अनमोल पूंजी है, जिसके बल पर देश की युवा शक्ति हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और भारत का नाम रोशन कर रही है। प्रधानमंत्री ने आज एक्स में एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, "श्रियः प्रदुग्धे विपदो रुणद्धि यशांसि सूते मलिनं प्रमार्ष्टि। संस्कारशौचेन परं पुनीते शुद्धा हि बुद्धिः किल कामधेनुः॥" इस सुभाषित का अर्थ है शुद्ध और संस्कारित बुद्धि मनुष्य के लिए कामधेनु के समान होती है। ऐसी बुद्धि समृद्धि को बढ़ाती है, विपत्तियों को दूर करती है, यश दिलाती है और जीवन के दोषों व मलिनता को मिटाती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी। सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

ईरान ने सारी दुनिया को बताई अपनी ताकत

ईरान ने यूएई में स्थापित अमेजॉन का सर्विस डाटा सेंटर चेतावनी देने के दूसरे दिन ही उड़ा दिया। ईरान ने यह हमला ड्रोन से किया था, जो बिल्कुल सटीक था। इसमें कंपनी को काफी नुकसान हुआ। सरवर नष्ट हो जाने के कारण कंपनी की सारी सेवाएं प्रभावित हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में घोषणा कर चुके हैं कि वह युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से ईरान के ऊपर हमले हो रहे हैं उसको लेकर ईरान ने काफी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। जहां-जहां पर अमेरिकी सेवाएं संचालित हो रही हैं वहां-वहां पर ईरान ड्रोन से हमले कर रहा है। ईरान की इस कार्यवाही से सारी दुनिया के देश हैरान हैं।

ईरान का शाहिद नामक ड्रोन इस समय चर्चाओं में है। इस ड्रोन को लेकर सारी दुनिया के देशों में जिज्ञासा बनी हुई है। इसने वेब सेंटर में घुसकर जिस तरह से सटीक निशाने पर हमला किया वह आश्चर्यजनक था। ईरान अब खुलकर चेतावनी देकर जिस तरह से हमले कर रहा है उसके सामने अमेरिका और इजरायल का सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। सारी दुनिया के देशों में तेल संकट के साथ-साथ अब खाद्य संकट की भी चर्चा हो रही है। करीब 96 देश अभी तेल संकट से जूझ रहे हैं। जो खबरें आ रही हैं उसमें 125 से अधिक देशों में हार्मोज से जहाजों की आवाजाही में रुकावट से जो संकट पैदा हुआ है उससे अब तेल के साथ-साथ खाद्य संकट भी देखने को मिल रहा है। रही सही कसर जिस तरह से ईरान अमेरिकी कंपनियों पर हमला कर रहा है उससे खाड़ी देशों के साथ-साथ अन्य देशों को भी उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जिस तरह के समाचार आ रहे हैं उसमें 100 से अधिक देश अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण बुरी तरह से परेशान हैं। अमेरिका और इजरायल ने अपनी सभी शक्तियों का प्रदर्शन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बी-2 बंबर से सेकड़ों स्थानों पर हमला करके ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। अब ईरान खुलकर इसका बदला ले रहा है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल जिस तरह से सटीक निशाना लगाकर खाडी के देशों में अमेरिका और इजरायल के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब उनके महत्वपूर्ण कारोबार को नष्ट कर रहे हैं इसके कारण सारी दुनिया के देशों में एक नई दहशत फैल गई है।

ईरान ने जिस तरह से अमेरिका के संचार माध्यमों को नष्ट किया है तथा जिस तरह से ईरान हमले करके तकनीकी आधार पर अमेरिका और इजरायल को धता बता रहा है उससे सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान की तकनीकी जिस तरह से इजरायल और अमेरिका का मुकाबला करते हुए जो ईरानी नवीन प्रयोग हो रहे हैं उससे सबसे ज्यादा परेशानी टेक कंपनियों को हो रही है। उनके सुरक्षित कंप्यूटर नेटवर्क को हैक करते हुए ईरान द्वारा हमले किए जा रहे हैं, जिसके कारण ईरान का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है जिस तरह से ईरान ने अब सरवर और इंटरनेट के जरिए सेवाओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया है उसके कारण सभी देशों की परेशानी बढ़ती चली जा रही है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में मचाई तबाही, ड्रोन फैक्ट्री को उड़ाया

तेहरान। अमेरिका-इजराइल लगातार ईरान पर हमले कर रहे हैं। इस जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुका है। दोनों ओर से मिसाइल हमले जारी हैं। ईरान ने इजराइल के पेटा टिकवा में एक ड्रोन फैक्ट्री को उड़ा दिया। ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में तबाही मचा दी है, पूरी फैक्ट्री खंडहर में तब्दील हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के सेंट्रल में पेटा टिक्वा वह जगह है, जहां ईरान की मिसाइल आकर गिरी। इस हमले से हुई भारी तबाही और विनाश साफ दिख रहा है, इजराइल में इस हमले की भयानक तस्वीरें सामने आई हैं उससे ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल के असर का अंदाजा लगाया जा सकते हैं कि एक पूरा कारखाना खंडहर बन गया है। माना जा रहा है कि यह फैक्ट्री इज़राइल की रक्षा जरूरतों के लिए ड्रोन तकनीक से जुड़ी थी। यह मिसाइल जहां गिरी वहां बड़ा गड्ढा बन गया। पास में ही ऊंची-ऊंची रिहायशी इमारतें भी हैं. अगर यह मिसाइल इधर-उधर गिरती तो भारी जनहानि हो सकती थी। हालांकि, मिसाइल एक खुले इलाके में गिरी, जिससे नुकसान कुछ हद तक सीमित रहा, लेकिन इसके बावजूद फैक्ट्री पूरी तरह तबाह हो गई। मशीनें जल चुकी हैं, एसी यूनिट्स, वायरिंग और इंसुलेशन सब बाहर निकल आए हैं।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य ने गुड फ्राइडे की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी सहित अन्य नेताओं ने शुक्रवार को देशवासियों को गुड फ्राइडे की शुभकामनाएं दी और यीशु मसीह के सर्वोच्च बलिदान को याद किया। सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, "गुड फ्राइडे के इस पवित्र अवसर पर, हम यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हैं और उनके प्रेम, करुणा तथा क्षमा के शाश्वत संदेश पर मनन करते हैं। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें विनम्रता, निस्वार्थता और धार्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। यह दिन सत्य को कायम रखने, दयालुता फैलाने और समाज में सद्भाव को बढ़ावा देने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे।" बिरला ने कहा कि यीशु मसीह ने मानवता के लिए अपना प्राणों का बलिदान दिया। आशा है कि यह दिन हमें दयालुता अपनाने, अपने विश्वास को मजबूत करने और चारों ओर सद्भाव फैलाने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दिन सद्भाव, करुणा और क्षमा के मूल्यों को और गहरा करे। भाईचारा और आशा हम सभी का मार्गदर्शन करें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि करुणा, क्षमा और त्याग हमारे हृदयों को प्रकाशित करें और हमें याद दिलाएं कि हर विचार, शब्द और कर्म में सत्य की विजय होनी चाहिए।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगा सवेतन अवकाश : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2026 के राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक श्रमिकों पर भी लागू होगी और इस दिन के लिए किसी भी प्रकार की वेतन कटौती नहीं की जाएगी। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में होगा—पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के तहत प्रत्येक मतदाता, जो किसी भी संस्थान, उद्योग या व्यवसाय में कार्यरत है, मतदान के दिन सवेतन अवकाश का हकदार होगा। यदि कोई

नियोक्ता इस प्रावधान का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि जो मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर काम कर रहे हैं, उन्हें भी मतदान के लिए सवेतन अवकाश मिलेगा, ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर सकें। चुनाव आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे इन प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें, जिससे सभी मतदाता बिना किसी बाधा के अपने वोट का इस्तेमाल कर सकें।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने किया स्व-गणना पंजीकरण

जनगणना-2027

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) अभियान में भाग लेते हुए अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए नागरिकों से भी इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बिरला ने पोस्ट में कहा कि जनगणना-2027 के पहले चरण की शुरुआत हो चुकी है और उन्होंने दिल्ली स्थित अपने आवास पर स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने इसे "नए युग की शुरुआत" बताते हुए कहा कि पहली बार जनगणना पूरी

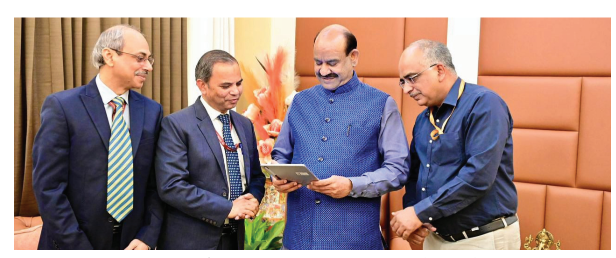

तरह डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही है, जिससे नागरिकों को स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज करने की सुविधा मिली है। उन्होंने इस प्रक्रिया को सुरक्षित, सटीक और सुविधाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि देश में जनगणना-2027 की औपचारिक शुरुआत एक अप्रैल 2026 को हुई। इस अभियान का शुभारंभ सबसे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्व-गणना कर किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की। केंद्र सरकार ने इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना डेटा दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के लिए अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में समयावधि निर्धारित की गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना-2027 का पहला चरण 'मकानसूचीकरण और मकानों की गणना' एक अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से संबंधित 33 प्रश्नों के माध्यम से विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रारंभिक चरण में स्व-गणना सुविधा आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद तथा दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं। सरकार के अनुसार यह वेब-आधारित प्रणाली 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है और इसमें उच्चस्तरीय सुरक्षा उपाय जैसे एन्क्रिप्शन और बहुस्तरीय प्रमाणीकरण शामिल हैं।

डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने पर राघव चड्ढा बोले- खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर अपने सांसद राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के

डिप्टी लीडर के पद से हटाने का आग्रह किया है। इसके बाद राघव चड्ढा ने इशारों-इशारों में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। राघव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए आम आदमी को मैसेज देते हुए लिखा, खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। आप ने राज्यसभा सचिवालय से यह भी कहा है कि अब राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के नेता के तौर पर बोलने का मौका न दिया जाए। इससे उनके बोलने के समय में भी कटौती की जा सकती है। बता दें राघव चड्ढा हाल के दिनों में संसद में कई जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठा रहे थे। इनमें एयरपोर्ट पर 10 रुपए की चाय का मुद्दा और डिलीवरी बॉयज से जुड़े सवाल शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने पैटरनिटी लीव (पितृत्व अवकाश) का मुद्दा सदन में उठाया था। उन्होंने कहा कि बच्चे की परवरिश केवल मां की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि माता-पिता की साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए। पार्टी के अंदर यह भी चर्चा है कि राघव चड्ढा राज्यसभा में किन विषयों पर बोलने वाले हैं, इसकी जानकारी पहले से पार्टी को नहीं देते थे।

ईरान-इजरायल युद्ध और होर्मुज संकट के बीच भारत के लिए रूस से आई बड़ी राहत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान की अमेरिका और इजरायल के खिलाफ बढ़ती सैन्य सक्रियता और होर्मुज स्ट्रेट पर संभावित नाकेबंदी से उपजे वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत के लिए रूस से एक अत्यंत सुखद खबर आई है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के बीच हुई उच्च स्तरीय मुलाकात में रूस ने भारत को आश्वस्त किया है कि वह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आश्वासन ऐसे समय में आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंका से खाड़ी देशों से होने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर खतरे के

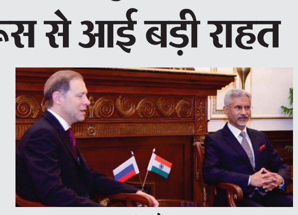

बादल मंडरा रहे हैं। इस संकटपूर्ण घड़ी में रूस ने एक वैकल्पिक और सबसे भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था और सामरिक हितों को बड़ी मजबूती मिली है। रूस के उप-प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान स्पष्ट किया कि रूसी कंपनियां भारत को तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्षम हैं।

जंग का दूसरा चरणः ईरान में स्टील प्लांट, ब्रिज अस्पताल, मेडिकल लैब को कर दिया ध्वस्त

एजेंसी। तेहरान

मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष अब एक अत्यंत विनाशकारी और खतरनाक चरण में प्रवेश कर गया है। अमेरिका और इज़रायल की वायु सेनाओं ने ईरान के भीतर सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब सिविलियन और आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्फ़हान के एयरपोर्ट और होर्मोज़गान के बंदरगाहों सहित रणनीतिक महत्व के कई नागरिक क्षेत्रों पर भारी बमबारी की गई है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कड़े रुख के बाद शांति की उम्मीदें पूरी तरह टूटती नजर आ रही हैं और जंग अब एक ऐसी दिशा में मुड़ गई है जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जंग के

इस नए फेज का सबसे भयावह पहलू रिहायशी और मानवीय सहायता से जुड़े ठिकानों पर हो रहे हमले हैं। तेहरान में एक सदी पुराने पाश्चर इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित मेडिकल रिसर्च सेंटर, प्रमुख पुलों, अस्पतालों और स्टील प्लांटों को तबाह किया जा रहा है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और जिनेवा कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और रेड क्रॉस से हस्तक्षेप की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन हमलों का उद्देश्य केवल सैन्य क्षमता घटाना नहीं, बल्कि ईरान की सप्लाई चेन और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर उसे पाषाण युग में धकेलना है। जमीनी हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी के अंत से अब तक ईरान में अमेरिकी और इज़रायली हमलों में करीब 2,076 लोग जान गंवा चुके हैं, जबकि 26,500 से अधिक घायल हुए हैं।

होर्मुज मार्ग खुलवाने 60 देशों की बैठक, भारत ने दिखाई ताकत, कहा- हमने अपने नाविकों को खोया

एजेंसी। नई दिल्ली

रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और इसे अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में वैश्विक स्तर पर बड़ी कूटनीतिक पहल शुरू हुई है। ब्रिटेन द्वारा बुलाई गई इस ऑनलाइन बैठक में 60 से अधिक देशों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और बिना किसी बाधा के आवागमन के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताया। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि होर्मुज क्षेत्र में जारी संकट का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा और गंभीर असर पड़ रहा है। भारत के लिए यह विषय इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में नाविकों को खोने वाला भारत अब तक का एकमात्र

देश है। भारत ने स्पष्ट किया कि इस संकट का स्थायी समाधान केवल तनाव को कम करने और सभी संबंधित पक्षों के बीच कूटनीति व संवाद के रास्ते पर लौटने में ही निहित है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में भारत ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस बैठक के लिए ब्रिटेन की ओर से विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पूर्व घोषणा के अनुरूप आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उन रास्तों की तलाश करना है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित रूप से दोबारा खोला जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने ईरान की कड़ी आलोचना की और वर्तमान स्थिति को वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान की लापरवाही ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डाल दिया है। आंकड़ों के अनुसार, इस रणनीतिक समुद्री मार्ग में अब तक 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है, जिसके कारण लगभग 2,000 जहाजों पर सवार 20,000 नाविक फंसे हुए हैं। इस अवरोध से न केवल एशिया के लिए लिक्विड नेचुरल गैस और अफ्रीका के लिए खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए जेट फ्यूल का संकट भी खड़ा हो गया है।

भारत में गहरा सकता है शक्कर का संकट, खपत से कम उत्पादन और घटते भंडार से बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली। भारत में चीनी उत्पादन को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है, जहां लगातार दूसरे साल भी देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की तुलना में कम रहने की संभावना है। गन्ने की कम पैदावार और चीनी मिलों के समय से पहले बंद होने के कारण उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में स्थानीय बाजारों में चीनी की कीमतों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है। मुंबई स्थित वैश्विक व्यापार कंपनियों और उद्योग संगठनों के विश्लेषण के अनुसार, इस सीजन में कुल चीनी उत्पादन 2.8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद नहीं है, जबकि देश की वार्षिक घरेलू मांग लगभग 2.9 करोड़ टन के करीब बनी हुई है। उत्पादन में इस कमी का मुख्य कारण गन्ने की फसल पर मौसम की मार और मिलों का जल्द परिचालन बंद करना है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल देश की 541 चीनी मिलों में से 467 मिलें मार्च के अंत तक ही बंद हो चुकी हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक यह संख्या 420 थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा के 27 उम्मीदवारों की सूची जारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए 27 उम्मीदवारों की सूची शुक्रवार को जारी की। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के मुताबिक मायलापुर सीट से तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल

तमिलिसाई सुंदरराजन को टिकट दिया है। सूची में राष्ट्रीय महिला मोर्चा प्रमुख वनिथी श्रीनिवासन, प्रदेश अध्यक्ष नैनार नैनार नागेंद्रन के नाम भी शामिल हैं। हालांकि इस सूची में के. अन्नामलाई का नाम नहीं है। उन्होंने पहले ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटें हैं। गठबंधन में समझौते के तहत भाजपा को कुल 27 सीटें मिली हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना होगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों से अरुण जेटली स्टेडियम में की मुलाकात

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने आज अरुण जेटली स्टेडियम का दौरा करके दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों से मुलाकात की। दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ शनिवार को यहीं आईपीएल का मुकाबला खेलेगी। यह जानकारी उपराज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। उपराज्यपाल ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल और पूरी टीम से मुलाकात करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर सीजन का दूसरा मैच खेल भावना और जोशपूर्ण तरीके से खेलें। उपराज्यपाल ने मुंबई इंडियंस के क्रिकेटर रोहित शर्मा और सूर्या कुमार यादव से भी इस दौरान मैदान पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में विश्व स्तरीय प्रतिभा और अनुभव को देखना हमेशा उत्साहजनक होता है। उपराज्यपाल ने कहा कि खेल एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने आशा जताई कि यह मैच सच्ची खेल भावना का उत्सव होगा और राष्ट्रीय राजधानी के सभी प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक अनुभव साबित होगा। इसके अलावा उपराज्यपाल ने अरुण जेटली स्टेडियम के समर्पित ग्राउंड स्टाफ को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे उनके अथक प्रयास और सावधानीपूर्वक की गई तैयारी हर सफल खेल आयोजन की रीढ़ हैं। उनकी कड़ी मेहनत ही यह सुनिश्चित करती है कि हमारे खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के लिए विश्व स्तरीय मैदान तैयार हो। उपराज्यपाल ने कहा कि आईपीएल के भव्य आयोजन में इन गुमनाम नायकों का योगदान खेल भावना के लिए अपरिहार्य है।

जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2026 से स्वास्थ्य क्षेत्र में नियमों का अनुपालन हुआ आसान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2026 को मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस विधेयक से व्यवसाय और नागरिकों के लिए नियमों को सरल बनाने और छोटे अपराधों को हटाने की दिशा में बड़ा कदम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस विधेयक का उद्देश्य विश्वास आधारित शासन को बढ़ावा देना और अनुपातिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करना है। इस विधेयक के तहत 23 मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाले 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया। 67 प्रावधानों को संशोधित किया गया ताकि नागरिकों के लिए जीवन आसान हो। इसके तहत 717 मामूली अपराधों को गैर-आपराधिक बनाकर जेल की सजा के बजाय केवल जुर्माने का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में संशोधन मुख्य रूप से ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940, फार्मेसी एक्ट 1948, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता एक्ट 2006, नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन)अधिनियम, 2010, राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा आयोग अधिनियम 2021 शामिल है। इन नए प्रावधानों के तहत गैर-जरूरी दस्तावेज़ न रखने या जानकारी न देने जैसे मामूली उल्लंघनों के लिए अदालत में लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं। इस विधेयक से स्वास्थ्य क्षेत्र में एकरूप नियम लागू होंगे। यह विधेयक नियामक ढांचे को सामंजस्य स्थापित करना और तर्कसंगत बनाता है, जिससे स्वास्थ्य और अन्य सेक्टरों में संचालन और नियम पालन सरल, भरोसेमंद और न्यायसंगत होगा। इससे सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

नकली सेंसोडाइन टूथपेस्ट फैक्ट्री का भंडाफोड़, लाखों का माल जब्त

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में नकली उत्पादों के कारोबार पर बड़ा प्रहार करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कंझावला इलाके में चल रही एक फर्जी सेंसोडाइन टूथपेस्ट बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में नकली टूथपेस्ट, कच्चा माल और मशीनरी बरामद करते हुए मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि दो अप्रैल को सूचना मिली थी कि महावीर विहार, कंझवाला स्थित एक गोदाम में नामी ब्रांड सेंसोडाइन के नाम पर नकली टूथपेस्ट तैयार कर बाजार में बेचा जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। छापे के दौरान गोदाम में छह मजदूर नकली पेस्ट को ट्यूब में भरकर पैकिंग करते मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि यह गोदाम रोहिणी सेक्टर-2 निवासी हरिओम मिश्रा (58) का है। पुलिस ने आरोपित

को मौके पर बुलाकर गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपित सस्ते और घटिया गुणवत्ता के पेस्ट को खाली ट्यूब में भरकर उस पर सेंसोडाइन ब्रांड की पैकेजिंग कर बाजार में असली बताकर बेच रहा था। मौके से करीब 1800 भरे हुए नकली ट्यूब, 10 हजार से अधिक खाली ट्यूब, 130 किलो नकली पेस्ट, पैकिंग सामग्री, कैप, कार्टन और ट्यूब फिलिंग मशीन बरामद की गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह पूरा काम बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत को गंभीर खतरा हो सकता था। आरोपित के पास इस संबंध में कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों व सप्लाई चेन की जांच की जा रही है। वहीं आरोपित हरि ओम मिश्रा ने स्वीकार किया कि उसने गोदाम किराए पर लिया था और वह संबंधित अधिकारियों या ब्रांड मालिक से बिना किसी वैध लाइसेंस या अनुमति के खाली सेंसोडाइन ट्यूबों में स्थानीय रूप से तैयार पेस्ट भरकर उन्हें बाज़ार में बेचने के लिए पैक करने के काम में शामिल था।

नुसरत इस्लामिक स्कूल का 2025-2026 का परीक्षाफल घोषित

लोकतंत्र की शान

नुसरत इस्लामिक स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का सत्र 2025-2026 परिक्षाफल घोषित हुआ इस अवसर पर स्कूल के निदेशक डा. एस.एम. कामरान, प्रबंधक सादिया कामरान, स्कूल बोर्ड मेम्बर मो. रियाज़ ने मेधावी छात्र को श्रेष्ठ अंकों से सफल होने पर रिज़ल्ट और पुरस्कार देकर उनकी हौसला अफज़ाई की। डा. एस.एम कामरान ने बताया नुसरत इस्लामिक स्कूल का यह प्रथम शैक्षिक सत्र है। इस सत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मो. रियाज़ ने स्कूल का प्रथम शैक्षिक सत्र पूरा होने पर स्कूल स्टाफ को मुबारकबाद देते हुए कहा 2025-2026 के परीक्षा में जो विद्यार्थी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर सफल हुए हैं उन विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ताकि अन्य विद्यार्थियों मे शिक्षा का शौक और लगन पैदा हो और वह भी भविष्य में इसी प्रकार सफलता हासिल करें। स्कूल प्रधानाचार्य अरीबा खान ने कहा नुसरत इस्लामिक स्कूल ने

2025-2026 का प्रथम शैक्षिक सत्र पूरा किया है जिसमें विद्यार्थी, अध्यापक और अभिभावक सबकी संयुक्त रूप से मेहनत शामिल है। नुसरत इस्लामिक स्कूल आधुनिक और इस्लामिक दोनों स्तर पर शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस सत्र में विभिन्न कक्षाओं के 15 विद्यार्थियों ने बेहतर सफलता प्राप्त की जिन्हें सम्मानित किया गया।

कांग्रेस ने कहा- मोदी सरकार द्वारा 16 अप्रैल से बुलाया गया संसद का विशेष सत्र चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन

लोकतंत्र की शान : संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार द्वारा 16 अप्रैल से बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को आचार संहिता का खुला उल्लंघन करार देते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों को प्रभावित करना है। संसदीय सत्र में परिसीमन के लिए भी संविधान संशोधन लाने के समाचारों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दे पर जल्दबाजी नहीं की जानी चाहिए और इस प्रस्ताव पर व्यापक विचार-विमर्श की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी से दक्षिण भारत, उत्तर-पश्चिमी भारत और उत्तर-पूर्वी भारत के राज्यों सहित कई राज्यों को नुकसान होगा और उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण कानून में संशोधन का एकमात्र उद्देश्य विधानसभा चुनावों में लाभ लेना और प्रधानमंत्री द्वारा दोबारा इसका श्रेय बटोरना है। सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि महिला आरक्षण 2024 के आम चुनाव से ही लागू होना चाहिए था। अगर सरकार का 2029 के चुनाव से इसे लागू होने का इरादा है तो कांग्रेस इसका समर्थन करती है। चुनाव को देखते हुए यह संसद सत्र 29 अप्रैल के बाद बुलाया जा सकता था। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन के प्रस्ताव पर जल्दबाजी नहीं, बल्कि व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में पास हुए महिला आरक्षण अधिनियम में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि परिसीमन और जनगणना के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने उस समय भी मांग की थी कि इसे 2024 के आम चुनावों से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार नहीं मानी थी।

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र को एकतरफा बताया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 16-18 अप्रैल तक बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को एकतरफा बताया है। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार की तरफ से इसको लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पत्राचार भी किया गया, लेकिन ऐसा लगता है कि यह सिर्फ दिखावा था और सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने का पहले ही मन बना चुकी थी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच हुए पत्राचार का ब्योरा देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। 16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन के लिए कांग्रेस से चर्चा की इच्छा जताई। खरगे ने उसी दिन जवाब दिया कि सरकार को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और लिखित प्रस्ताव देना चाहिए। 24 मार्च को विपक्षी दलों ने रिजिजू को फिर से एक पत्र

लिखकर सुझाव दिया कि वर्तमान में कई राज्यों में चुनाव और आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है इसलिए 29 अप्रैल के बाद बैठक बुलाई जाए। 26 मार्च को रिजिजू ने फिर से खरगे को पत्र लिखा और कहा कि हम दोबारा मांग करते हैं, कांग्रेस हमसे मिले और बातचीत करे, ताकि हम संविधान संशोधन के प्रस्ताव को आगे बढ़ाएं। खरगे ने जवाब दिया कि सभी दलों को बुलाकर एक बैठक कीजिए और 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाइए। 16 से 26 मार्च तक खतों का आदान-प्रदान हुआ लेकिन भारतीय जनता पार्टी पहले ही मन बना चुकी थी कि विशेष सत्र बुला लिया जाए। अंत में रिजिजू ने एकतरफा निर्णय लेते हुए 16, 17, 18 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया। मतलब साफ है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव से कुछ दिन पहले ही आचार संहिता के दौरान ये विशेष सत्र बुलाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा कि रिजिजू ने अपने सारे खतों में सिर्फ नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बात की है लेकिन अब साफ हो गया है कि ये विशेष सत्र सिर्फ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर नहीं है बल्कि परिसीमन को लेकर भी है। हैरानी वाली बात यह है कि हमसे कभी भी परिसीमन का जिक्र नहीं किया गया, कभी इसके ऊपर कोई चर्चा नहीं हुई। अब ये साफ हो चुका है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में सिर्फ 30 महीने के अंदर संशोधन लाया जाएगा, साथ ही परिसीमन को लेकर संविधान में संशोधन किया जाएगा। इन तीन दिनों के विशेष सत्र में ये दो मुद्दे आएंगे। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में 23 एवं 29 अप्रैल को दो चरणों में और तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा राष्ट्र की अमूल्य पूंजी: राष्ट्रपति

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के युवाओं, विशेषकर जनजातीय समुदाय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी बताते हुए उन्हें खेलों में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया है। एक लेख के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के ग्रामीण और वन क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण और संसाधनों के जरिए निखारकर देश खेल जगत में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। राष्ट्रपति ने जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों की सहज खेल प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि ये बच्चे सीमित संसाधनों के बावजूद प्रकृति के बीच अपने खेल संसार का निर्माण कर लेते हैं। मिट्टी, पेड़ों, बीजों और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके वे खेल के साधन तैयार करते हैं और पूरे उत्साह के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक रुझान और ऊर्जा यदि आधुनिक प्रशिक्षण और सुविधाओं से जुड़ जाए, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने में सक्षम है। उन्होंने उदाहरण देते हुए ओडिशा की 15 वर्षीय खिलाड़ी अंजलि मुंडा का उल्लेख किया, जिसने 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में शानदार

प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते और देशभर के युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उसे पहचानने और सही दिशा देने की। राष्ट्रपति ने ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में तीरंदाजी जैसी खेल विधाओं की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। उन्होंने 'संताथ हूल' जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय भी जनजातीय वीरों के युद्ध कौशल, विशेषकर तीरंदाजी की प्रशंसा की गई थी। साथ ही उन्होंने एकलव्य को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी महानता आज भी देश के युवाओं को प्रेरित करती है। मुर्मु ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर किए जा रहे छोटे-छोटे प्रयास भी जनजातीय प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके गांव में भी वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय विद्यालय स्थापित किया गया है, जहां खेल प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी विकसित करता है। खेलों के माध्यम से युवाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेलों में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी मित्रता और सहयोग की भावना भी विकसित होती है, जो समाज को मजबूत बनाती है। राष्ट्रपति ने 'खेलो इंडिया' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल ने देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि पहले खेल सुविधाएं मुख्यतः महानगरों तक सीमित थीं, लेकिन अब ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में भी खेल अकादमियों और प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' जैसे आयोजनों को जनजातीय खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए कहा कि इससे जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को पहचान और अवसर मिल रहा है। इस तरह के प्रयासों से देश में खेलों का एक समावेशी इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, जिसमें सभी वर्गों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर मिल सके। राष्ट्रपति ने भारतीय खेल इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने 1928 में हॉकी में पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था, जिसमें जनजातीय खिलाड़ियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने वर्तमान समय के खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी जनजातीय समुदाय के खिलाड़ी भारतीय टीमों को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में आयोजित विभिन्न खेल आयोजनों, जैसे बस्तर और सरगुजा ओलंपिक में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी देखने को मिली है। इनमें से कई युवा ऐसे भी हैं जिन्होंने भटकाव के रास्ते को छोड़कर खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा अपनाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय युवाओं सहित देश की युवा पीढ़ी की खेल प्रतिभा भारत की अमूल्य सामाजिक पूंजी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतिभा का सही उपयोग करते हुए भारत खेल जगत में नई ऊंचाइयों को छुएगा और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करेगा। अपने संदेश के अंत में राष्ट्रपति ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, "खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!"

सिविल लाइंस में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, एक महीने में 10 हजार से ज्यादा चालान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी के सिविल लाइंस ट्रैफिक सर्किल में यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। ट्रैफिक पुलिस की सख्ती के चलते न केवल हजारों चालान किए गए हैं, बल्कि सड़क हादसों में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। ट्रैफिक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मार्च महीने से शुरू हुए इस अभियान के तहत सबसे पहले कमला नगर मार्केट इलाके में 10 दिनों तक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब 5200 चालान किए गए और 18 वाहनों को जब्त किया गया। इसके बाद राजपुर रोड पर भी 10 दिन का विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 5500 से अधिक चालान किए गए। इन चालानों में रॉन्ग साइड ड्राइविंग, बिना हेलमेट वाहन चलाना और अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन प्रमुख रूप से शामिल रहा। इसी क्रम में बुलेवर्ड रोड पर गेट नंबर 3 और 4 के पास ऑटो चालकों की

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष कार्रवाई की। इस दौरान करीब 700 चालान किए गए और 19 ऑटो जब्त किए गए। वहीं, डग्गामार बसों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया गया। पिछले एक महीने में 56 बसों को जब्त किया गया और करीब 1100 चालान किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, पूरे सिविल लाइंस सर्किल में बीते एक महीने के दौरान करीब 200 वाहनों को जब्त किया है। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें दो चरणों में करीब 110 हेलमेट बांटे गए। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि सख्ती और जागरूकता अभियान का सकारात्मक असर देखने को मिला है। पिछले साल की तुलना में इस साल सड़क दुर्घटनाओं में करीब 32 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

दिनदहाड़े हुई लूट के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार, 5.51 लाख नकद और पिस्टल बरामद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटे गए कुल 5,51,500 रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल देशी पिस्टल और चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि 27 मार्च को बावाना स्थित एक मोजा फैक्ट्री में काम करने वाले कलेक्शन कर्मचारी अभिषेक प्रजापति ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 26 मार्च को उसने पहले शास्त्री नगर स्थित

वर्मा होजरी से 65 हजार रुपये और फिर चांदनी चौक के कुचा घासी राम से 10 लाख रुपये कलेक्ट किए थे। वह पूरी रकम बैग में रखकर शास्त्री नगर जा रहा था, तभी शाम करीब 5:50 बजे शास्त्री नगर मेट्रो सबवे के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि एक बदमाश ने उनके ऊपर पिस्टल तान दी, जबकि दूसरे ने बैग छीन लिया और दोनों फरार हो गए। पीड़ित ने उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वह न तो बाइक का नंबर नोट कर सका और न ही उन्हें पकड़ पाया। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 30 किलोमीटर के दायरे में लगे 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपित एक यामाहा एफजेड बाइक पर दिखाई दिए, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। पुलिस ने आरोपितों के भागने के रूट को ट्रेस करते हुए कश्मीरी गेट, शास्त्री पार्क, खजूरी खास, करावल नगर होते हुए गाजियाबाद के अंकुर विहार तक उनकी लोकेशन चिन्हित की। स्थानीय मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अंकुर विहार इलाके से देव मैग्गो (24) और रोहित शर्मा (34) को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने लूट की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने देव के कब्जे से 3,14,000 रुपये और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की, जबकि रोहित के पास से 2,37,500 रुपये और देशी पिस्टल बरामद हुई। जांच में सामने आया कि वारदात में इस्तेमाल बाइक पहले से ही भजनपुरा इलाके से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित नशे के आदी हैं और कर्ज में डूबे होने के कारण उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

मियाद खत्म हो चुके खाद्य पदार्थों को दोबारा पैक कर बेचने के रैकेट का भंडाफोड़

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले एक बड़े संगठित रैकेट का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। द्वारका के बामनौली इलाके में चल रहे इस अवैध धंधे में मियाद खत्म हो चुके खाद्य और पेय पदार्थों को दोबारा पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली तारीखों वाले प्रोडक्ट बरामद करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। क्राइम बांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को बताया कि, 29 मार्च को सूचना मिली थी कि बामनौली गांव स्थित एक गोदाम में मल्टीनेशनल कंपनियों

के एक्सपायर्ड या एक्सपायरी के करीब उत्पादों की तारीख बदलकर उन्हें बाजार में दोबारा सप्लाई किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर अक्षय गहलौत के नेतृत्व में टीम गठित की गई और 31 मार्च को सेक्टर-28 द्वारका स्थित गोदाम पर छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में कोल्ड ड्रिंक्स और खाद्य सामग्री मिली, जिनकी एक्सपायरी डेट और बैच नंबर से छेड़छाड़ की गई थी। मौके से शिवम और लोकेश को पकड़ा गया, जिन्होंने पूछताछ में बताया कि यह पूरा कारोबार गुरुग्राम निवासी कमल मुद्गिल के इशारे पर चल रहा था। कुछ ही देर में कमल मुद्गिल भी मौके पर पहुंच गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपित के पास से थम्स अप, स्प्राइट, लिम्का, कोका-कोला सहित सैकड़ों कैन और बड़ी मात्रा में ब्रांडेड बिस्कुट बरामद किए गए हैं। साथ ही एक डोमिनो प्रिंटिंग मशीन और थिनर केमिकल भी मिला, जिनका इस्तेमाल असली तारीख मिटाकर नई नकली तारीख छापने में किया जाता था।पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित बाजार से सस्ते दामों में मियाद खत्म हो चुके सामान खरीदते थे, फिर उस पर लगी मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट को मिटाकर नई तारीख छाप देते थे और दोबारा पैक कर बाजार में ऊंचे दामों पर बेचते थे। इस मामले में क्राइम ब्रांच थाने में केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से बड़ी मात्रा में असुरक्षित खाद्य सामग्री बाजार में पहुंचने से रोकी गई है, जिससे लोगों की सेहत को बड़ा खतरा टल गया है।

संक्षिप्त समाचार

सिरसी में चेयरमैन कौसर अब्बास का एक्शन, मच्छर मुक्त नगर बनाने को फॉगिंग अभियान जारी

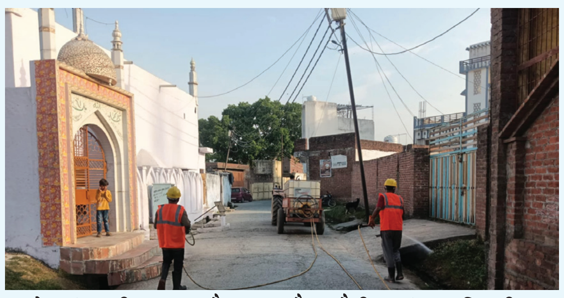

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी में चेयरमैन कौसर अब्बास के नेतृत्व में मच्छरों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। नगर के सभी वार्डों में फॉगिंग कराकर मच्छरों के प्रकोप को खत्म करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। चेयरमैन कौसर अब्बास ने बताया कि बदलते मौसम को देखते हुए मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों—डेंगू, मलेरिया आदि—से बचाव के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत नगर पंचायत की टीम नियमित रूप से सुबह और शाम फॉगिंग कर रही है, ताकि मच्छरों को खत्म किया जा सके। साथ ही नगर में नालियों की सफाई, कूड़ा निस्तारण और जलभराव वाले स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां-जहां पानी जमा होने की संभावना है, वहां एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव भी कराया जा रहा है। नगर पंचायत प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, जिससे मच्छरों का पनपना रोका जा सके। स्थानीय लोगों ने चेयरमैन कौसर अब्बास की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि फॉगिंग अभियान से काफी राहत मिल रही है और क्षेत्र में स्वच्छता का माहौल बेहतर हुआ है। नगर पंचायत ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि सिरसी को मच्छर मुक्त और स्वच्छ नगर बनाया जा सके।

मिशन शक्ति 0.5 के तहत हजरतनगर गढ़ी पुलिस का बड़ा अभियान, महिलाओं को किया जागरूक व सशक्त

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,संभल। थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में मिशन शक्ति 0.5 अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी एवं उनकी टीम ने किया, जिसमें उप निरीक्षक राशमी मलिक की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने महिलाओं और छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं उप निरीक्षक राशमी मलिक ने छात्राओं को आत्मरक्षा के तरीके बताए और उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों और सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही 1090, 112 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी बताया गया, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। इस दौरान महिलाओं को साइबर अपराध, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा जैसे मामलों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी समस्याएं भी साझा कीं, जिनका मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया गया। थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में महिलाओं के बीच जागरूकता और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिली है। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए बेहद जरूरी पहल बताया।

हसनपुर की सेंट जॉन्स चर्च में गुड फ्राइडे मनाया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर : शुक्रवार को नगर स्थित सेंट जॉन्स चर्च में गुड फ्राइडे का पर्व बड़े ही श्रद्धापूर्वक मनाया गया, इस मौके पर ईसाई समुदाय द्वारा प्रभु यीशु मसीह के बलिदान दिवस को याद किया गया, समुदाय के सदस्यों ने प्रभु यीशु मसीह द्वारा दिखाए गए प्रेम और क्षमा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया, यह दिन उनके त्याग और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक है, चर्च के पादरी सुशील मसीह के मार्गदर्शन में दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे तक विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई, यह समय प्रभु यीशु को सलीब पर चढ़ाए जाने का प्रतीक है श्रद्धालुओं ने इस दौरान उपवास रखकर ईसा मसीह के कष्ट को स्मरण किया, प्रार्थना सभा के दौरान पादरी ने सलीब पर रहते हुए यीशु मसीह द्वारा कही गई सात बाणीयों की व्याख्या की, उन्होंने बताया कि यीशु कि प्रत्येक वाणी मानवता और अटूट प्रेम का संदेश देती है, वहीं उन्होंने बताया कि संसार में बढ़ते पापों को मिटाने के लिए ईश्वर ने मानव रूप में अवतार लिया, प्रभु यीशु ने अपनी कुर्बानी देकर समस्त मानव जाति के पापों का प्रायश्चित किया, इस बलिदान दिवस पर भारी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग नगर स्थित चर्च में एकत्र हुए इस मौके पर शेन मसीही, डेवरा मसीही, राखी मसीही, शेनन मसीही, ओलिवर मसीही, एंजेल, श्वेता अल्बर्ट, आंचल अल्बर्ट, अनुज आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

नजीबाबाद प्रीमियर लीग सीजन-4 क्रिकेट टूर्नामेंट का छठा दिन सेमी फाइनल मैच

रोडवेज टीम ने जीता मैच

लोकतंत्र की शान

नजीबाबाद। नेशनल एंटी करप्शन सोल्जर ट्रस्ट द्वारा आयोजित नजीबाबाद प्रीमियर लीग सीजन - 4 क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन रोडवेज टीम और बार एसोसिएशन के बीच मुकाबला रहा। रोडवेज टीम ने मैच जीता। शुक्रवार को सर्वप्रथम अंपायर फाजिल अली ने झंडारोहण किया एवं प्रकृति अग्रवाल, शगुन प्रजापति, मायांशी कश्यप, यशस्वी, ईशानी, परविंदर कौर इशिका आदि द्वारा राष्ट्रगान किया गया। जिसके पश्चात दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी गई। अंपायर फाजिल अली व संतोष सिंह की निगरानी में दोनों टीम के बीच मैच खेला गया। रोडवेज टीम ने टॉस जीतकर, पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया तथा 10 विकेट के नुकसान पर 18.2 ओवर में 178 रन बनाकर जीत हासिल की। बार एसोसिएशन 15.1 ओवर में 122 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। रोडवेज टीम से भूपेंद्र ने 29 बॉल पर 64 रन बनाए। और अनुज ने 11 बॉल में 21 रन बनाए और रोडवेज टीम से भूपेंद्र मैंन ऑफ द मैच रहे व बार एसोसिएशन टीम से तल्हा ने 24 रन बनाए और 3 विकेट लिए और फाइटर ऑफ़ द मैच रहे। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने भूपेंद्र को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी व तल्हा को फाइटर ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी। टूर्नामेंट में मो0 अहसान और सुखदेव सिंह द्वारा मैच की शानदार कमेंट्री की गई। सेमी फाइनल का दूसरा मैच बैंक विभाग और तहसील टीम के बीच कल खेला जाएगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल, अल्ताफ हुसैन, दानिश मंसूरी, विनीत कुमार विक्की, आदित्य विक्की, हिना अग्रवाल, विनीता सरदार जसपाल सिंह नरेश चंद राजेश सोनू कश्यप आदी रहे। क्रिकेट टूर्नामेंट का लाइव प्रसारण यूट्यूब के जीटी स्पोर्टस चैनल पर चलाया जा रहा है।

हसनपुर पुलिस ने अवैध तमंचा संग युवक को पकड़ा, मुकदमा दर्ज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः हसनपुर कोतवाली पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया, बता ते चले कि नवागंतुक पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के मार्गदर्शन में एवं प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था, वहीं गुरुवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मुबारकपुर कला में एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ घूम रहा है सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और ग्राम मुबारकपुर कला निवासी संजू पुत्र नवल किशोर को गिरफ्तार कर उसकी तलाशी ली, तलाशी के दौरान संजू के पास से एक 315 बोर का तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ, हसनपुर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मु०अ०सं० 163 /2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया है, गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूरी कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा, वही अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियार रखने वाले लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

कांग्रेस घुसपैठ व दंगा कराती थी, भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती हैः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

सोनितपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा घुसपैठ व दंगा कराने का काम किया, लेकिन भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती है। पहले नौजवानों के हक पर घुसपैठिए काबिज होते थे, असम के लोगों का राशन डकार जाते थे, लेकिन अब डबल इंजन सरकार असम के हर नागरिक को उसका हक दिलाने की गारंटी ले रही है। सीएम योगी शुक्रवार को असम विधानसभा चुनाव में बरछला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ऋतु बरन सरमा के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता से 9 अप्रैल को कमल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने की अपील की।

कांग्रेस व यूडीएफ ने असमिया संस्कृति समाप्त करने की रची साजिश -सीएम योगी ने कहा कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाली, किसानों का संरक्षण और विदेशी आक्रांताओं को धूल धूसरित करने वाली इस पावन धरा के सामने कांग्रेस ने यूडीएफ के साथ मिलकर पहचान का संकट खड़ा किया। यह संकट किसी एक क्षेत्र में नहीं था। कांग्रेस व यूडीएफ के अघोषित समझौते के कारण असमिया जाति, माटी व बेटी के सामने पहचान का संकट हुआ था। इन्होंने तुष्टिकरण की नीति पर चलकर असमिया पहचान को समाप्त करने का प्रयास किया। यहां की माटी में घुसपैठियों को घुसाकर असम के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। असम के नागरिकों, बहनों के हक पर घुसपैठियों के जरिये डकैती डलवाई। असमिया संस्कृति मिटाने की साजिश रची, लेकिन जब पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली और असम में पहले सर्वानंद सोनोवाल, फिर हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी तो असम चाय के साथ अब चिप उत्पादन का नया केंद्र भी बन गया है।

नजीबाबाद में जन औषधि केंद्र की पहल अब सस्ती दवाएं होंगी उपलब्ध मनोज कुमार

» R T I कार्यकर्ता मनोज कुमार ने दी जानकारी

» सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में खुलने जा रहा नया केंद्र, आमजन को मिलेगा सीधा लाभ

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। आमजन को सस्ते दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर के कोटद्वार मार्ग स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए केंद्र परिसर में अलग से दुकान का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है और जल्द ही इसका उद्घाटन होने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने विगत वर्ष स्वास्थ्य मंत्रालय एवं संबंधित उच्च अधिकारियों को पत्र भेजकर नजीबाबाद सहित जनपद के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जन औषधि केंद्र खोले जाने की मांग की थी। उनका उद्देश्य आमजन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराना और जन औषधि केंद्रों को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना था। अब स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस दिशा में कार्रवाई करते हुए समीपुर स्वास्थ्य केंद्र पर जन औषधि केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जिससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इस केंद्र के शुरू होने के बाद नजीबाबाद क्षेत्र में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने इस पहल के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं शासन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि केंद्र पर सरकार द्वारा प्रमाणित सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत मिलेगी।

नजीबाबाद बार संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ, न्यायमूर्ति फैज़ आलम खान रहे मुख्य अतिथि

» आप न जाने मुझको समझते है क्या में तो कुछ भी नहीं फैज अलम

» जिला जज संजय कुमार रहे विशिष्ट अतिथि, बार-बेंच को समय पर न्याय देने की दी सलाह

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के नजीबाबाद बार संघ के वार्षिक चुनाव 2026 के उपरांत नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सुरेश ग्रैण्ड पैलेस कोटद्वार रोड स्थित परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों की भारी उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति मौहम्मद फैज़ आलम खान (पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं वर्तमान न्यायिक सदस्य, NCLAT) व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिजनौर संजय कुमार (एच.जे.एस.) ने कार्यक्रम में शिरकत कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। इस दौरान बार संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट कसीम अहमद व महासचिव एडवोकेट नदीम अहमद अंसारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ लेकर अपने- अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया। गुरूवार को नगर के नजीबाबाद कोटद्वार रोड़ स्थित सुरेश ग्रैण्ड पैलेस में नजीबाबाद बार संघ के वार्षिक चुनाव 2026 के उपरांत नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शपथ ग्रहण समारोह में अधिवक्ताओं और नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ ही समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति मौहम्मद फैज़ आलम खान (पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं वर्तमान न्यायिक सदस्य, (NCLAT) व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिजनौर संजय कुमार (एच.जे.एस.) उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मो. फैज आलम खान ने बार और बेंच को वादकारियों को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वादकारी

विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने नवनियुक्त भाजपा जिला उपाध्यक्षों का किया भव्य स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को भाजपा विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने अपने कैंप कार्यालय /आवास पर भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, हिमांशु त्यागी तथा ईश्वर चंद्र गुर्जर का फूल माला पहना कर तथा मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया तथा तीनों जिला उपाध्यक्ष्यों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी, इस मौके पर विधायक महेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन द्वारा पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं पर भरोसा करते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी गई है वहीं उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मयंक अग्रवाल हिमांशु त्यागी तथा ईश्वर चंद्र गुर्जर तथा सभी सम्मानित भाजपा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारीयो के अनुभव और सक्रियता से जनपद में भाजपा का जनाधार और अधिक मजबूत होगा, वहीं उन्होंने नवनियुक्त उपाध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारी से सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया, वहीं नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने भी पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया, इस दौरान पवन राज जाटव, शिखर अग्रवाल, आम्रपाली गुर्जर, विभोर अग्रवाल आदि मौजूद रहे ।

योगी सरकार की पहल से बदली हमीरपुर की कीर्ति की जिंदगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की योजनाएं आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहीं हैं। हमीरपुर जनपद की कीर्ति इसकी जीवंत मिसाल बनकर उभरीं हैं। एक समय अध्यापिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली कीर्ति ने जब महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तो यह उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। वर्ष 2018 में समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि समाज में खुद की एक नई पहचान भी बनाई। आज वही कीर्ति "प्रेरणा कैंटीन" के माध्यम से न सिर्फ खुद सशक्त हुईं हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रहीं हैं।

'प्रेरणा कैंटीनः सामूहिक प्रयास से बना 1.25 करोड़ के टर्नओवर का मॉडल -वर्ष 2025 अगस्त में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर हमीरपुर के दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में "प्रेरणा कैंटीन" की शुरुआत की। लगभग 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ यह प्रयास आज उनके लिए सफल उद्यम बना, जिसका टर्नओवर 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वर्तमान में कैंटीन से 8 महिलाएं जुड़ीं हैं। हर महीने प्रत्येक महिला को लगभग 8,000 वेतन मिल जाता है। यह कैंटीन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पोषण और स्वच्छता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है जहां 332 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, दूध और भोजन बेहद किफायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षकों के लिए भी भोजन की व्यवस्था है। कीर्ति का मानना है कि स्वच्छ और पौष्टिक भोजन ही स्वस्थ समाज की नींव है, और इसी सोच के साथ वह पूरी जिम्मेदारी से इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं।

थाना मदेयगंज क्षेत्रान्तर्गत हुई पुलिस मुठभेड़ मे दो अपराधी गिरफ्तार

पुलिस की जवाबी कार्यवाही मे घायल

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान रिपोर्टर

दिनांक 25.03.2026 को रात्रि लगभग 23.28 बजे थाना मदेयगंज क्षेत्रांतर्गत दीनदयाल नगर स्थित तरन्नुम मार्केट गली में लूट की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर पुलिस एवं वरिष्ट अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में वादी/पीड़ित हर्ष जायसवाल पुत्र संजय कुमार जायसवाल निवासी सराय प्रेमराज थाना काकोरी, लखनऊ द्वारा बताया गया कि वह शराब दुकानों की बिक्री धनराशि का कलेक्शन कर जा रहा था। इसी दौरान 04 अज्ञात बदमाशों द्वारा उसे रोककर कलेक्शन से भरा बैग छीन लिया गया तथा विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया। घटना के बाद अभियुक्त मोटरसाइकिल से फरार हो गए। इस संबंध में वादी श्री हर्ष जायसवाल प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मदेयगंज पर मु0अ0सं0 38/2026 धारा 309(6) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

विवेचनात्मक कार्यवाही व पुलिस मुठभेड़- पुलिस उपायुक्त, मध्य, श्री विक्रान्त वीर के निर्देशन में घटना के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस की टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगभग 140-150 सीसीटीवी कैमरों की जांच एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक, मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध तथा अपाचे मोटरसाइकिल की पहचान की गई तथा मुखबिर को मामूर किया गया। दिनांक 01.03.2026 को समय करीब 22.40 बजे रात्रि में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा रघुवंशी ढाल बंधा रोड क्षेत्र में चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार 02 व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया, तो उक्त मोटरसाईकिल पर सवार व्यक्तियो द्वारा अपनी मोटरसाईकिल मोडकर रघुवंशी ढाल के सामने गोमती नदी की तरफ वाली ढाल की तरफ मुडकर भागने के दौरान मोटरसाइकिल से गिर गये और पैदल भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी के दौरान एक अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के बायें पैर में गोली लगी, जिसे घायलावस्था में हिरासत में लेते हुये उसका नाम पता पूछने पर अपना नाम आलोक तिवारी उर्फ मुस्कान पुत्र राम कुमार तिवारी निवासी ग्राम उलरापुर थाना अतरौली हरदोई बताया एवं दूसरे अभियुक्त को हिरासत में लेकर नाम पता पूछा गया तो अपना नाम सुजीत सिंह उर्फ मगन पुत्र छोटे सिंह निवासी ग्राम जाजूपुर थाना अतरौली जनपद हरदोई बताया । मुठभेड़ मे घायल अभियुक्त उपरोक्त को इलाज के लिए बलरामपुर हॉस्पिटल में ले जाया गया है व दूसरे अभियुक्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल से निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तगणों द्वारा उक्त लूट की घटना जुर्म कुबुला गया तथा अभियुक्तों के पास से एक अदद मोटरसाइकिल अपाचे नम्बर मिटा हुआ व एक तमंचा बरामद हुआ जोकि लूट के घटना के दौरान प्रयोग किया गया था । मुठभेड़ में घायल अभियुक्त ने पूछताछ करने पर बताया कि उसके विरूद्ध 04 अन्य अभियोग पंजीकृत है व गैंगेस्टर की कार्यवाही भी हुयी है। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास के बारें में जानकारी की जा रही है। अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

हिरासत में लिये गये अभियुक्तों का विवरण- 01-आलोक तिवारी उर्फ मुस्कान पुत्र राम कुमार तिवारी निवासी ग्राम उलरापुर थाना अतरौली हरदोई उम्र करीब 23 वर्ष (मुठभेड में घायल) सुजीत सिंह उर्फ मगन पुत्र छोटे सिंह निवासी ग्राम जाजूपुर थाना अतरौली जनपद हरदोई उम्र करीब 23 वर्ष

पंजीकृत अभियोग - मु0अ0सं0 38/2026 धारा 309(6) बीएनएस, मदेयगंज लखनऊ । मुठभेड़ संबंधी अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है।

बरामदगी- लूट की घटना में प्रयुक्त वाहन 01 अदद मोटरसाइकिल अपाचे(वाहन नं0 मिटा हुआ।) 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 01 अदद खोखा व 01 जिन्दा कारतूस

संक्षिप्त समाचार

बिहार में 39° तक पहुंचा पारा, अप्रैल की शुरुआत में ही बढ़ी गर्मी, पटना में तेज धूप

लोकतंत्र की शान : पटना। अप्रैल की शुरुआत के साथ ही बिहार में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के पूर्वानुमान के अनुसार राज्यभर में फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा और अगले कई दिनों तक बारिश की कोई संभावना नहीं है। तेज धूप और साफ आसमान के कारण अधिकतम तापमान 36 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। पिछले 24 घंटों में बिहार के अधिकांश जिलों में तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4-5 दिनों तक शुष्क मौसम बना रहेगा और गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है।राजधानी पटना में आज मौसम साफ रहेगा, हालांकि शाम या रात में हल्के बादल छा सकते हैं। दिन के समय तेज धूप के कारण गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। पटना में अधिकतम तापमान 39°C और न्यूनतम तापमान 26°C के आसपास रहेगी।

ऑटो पलटने से एक की मौत, राजमिस्त्री का काम करके लौटने के दौरान हादसा, पांच भाई-बहनों में थे सबसे छोटे

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में रामदौली स्कूल के पास गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे एक ऑटो पलट गया। इस दुर्घटना में ऑटो सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के चौकसन निवासी स्वर्गीय लक्ष्मण राय के 50 वर्षीय बेटे विशुन राय के रूप में हुई है। घायल विशुन राय को स्थानीय लोगों ने तुरंत बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद, गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने विशुन राय को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र अजय राय ने बताया कि उनके पिता जढ़ुआ मामू भांजा के निकट साधु राय के यहां से राजमिस्त्री का काम करके लौट रहे थे। जढ़ुआ से टेंपो पकड़कर वे घर वापस जा रहे थे। रामदौली हाई स्कूल के पास एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ऑटो में सवार अन्य लोग भी घायल हुए, जिनमें से कुछ को हल्की चोटें आईं और उन्होंने बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से उपचार कराकर घर लौट गए। विशुन राय अपने पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। सदर अस्पताल में स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी गई। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

रिटायर्ड स्टेशन मास्टर के घर चोरी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड अंतर्गत चकसिकंदर स्थित कल्याणपुर गांव के वार्ड नंबर 8 में चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने रिटायर्ड रेलवे स्टेशन मास्टर लाल बहादुर राय के घर को निशाना बनाया और करीब 10 भर सोना, 100 ग्राम चांदी तथा 3 लाख रुपए कैश चुरा लिए। घटना के बारे में लाल बहादुर राय के बेटे सोनू कुमार ने बताया कि वह रात में अपने कमरे में सो रहे थे। चोरों ने पहले उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया, फिर पूरे घर में तलाशी लेकर कीमती सामान पर हाथ साफ किया। सुबह जब सोनू उठे तो देखा कि दरवाजा बाहर से बंद है। उन्होंने तुरंत छत पर सो रहे अपने भांजे राहुल को फोन किया। राहुल छत से नीचे आया और दरवाजा खोला। इसके बाद पूरे घर की तलाशी लेने पर पता चला कि अलमारी का ताला टूटा हुआ है और सारे गहने-नकदी गायब हैं। सोनू ने बताया कि चोर लगभग 10 भर सोना (सोने के आभूषण), 100 ग्राम चांदी के बर्तन तथा तीन लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। परिजनों के मुताबिक, चोर रात में ही इस वारदात को अंजाम देकर चुपके से निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही गांव के कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। पीड़ित परिवार में इस चोरी से गहरा आघात लगा है। रिटायर्ड स्टेशन मास्टर लाल बहादुर राय की जमापूंजी एक ही रात में चोरी हो जाने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा कर रही है।

मुजफ्फरपुर में दिनदहाड़े पूर्व पार्षद से छिनतई

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर में दिनदहाड़े पूर्व पार्षद से छिनतई हुई है। अपराधियों ने सरेराह विकास सहनी के गले से सोने की चेन झपट ली। स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा किया। इस दौरान वर्तमान पार्षद गणिता देवी का पुत्र अपराधियों को पकड़ने के प्रयास में गंभीर रूप से घायल हो गया। हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना सिकंदरपुर इलाके की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाश बेखौफ होकर पिस्टल लहराते हुए भागे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। पीड़ित विकास साहनी ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे जिम से लौटने के बाद सब्जी खरीदने के लिए मंडी गए थे। इसी दौरान पीछे से अपाचे बाइक पर सवार दो अपराधी आए। गले से करीब 50 ग्राम की सोने की चेन झपट ली। चेन की कीमत लगभग 10 लाख रुपए है। हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों का पीछा किया, लेकिन अपराधियों ने पिस्तौल निकालकर उनकी ओर तान दी। हथियार देखकर वह डर गए और अपनी जान बचाने के लिए पीछे हट गए। वहीं, वार्ड-17 की वर्तमान पार्षद गणिता देवी के बेटे ने बताया कि वह भी उसी समय सब्जी लेने गए थे। स्कूटी से बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन अपराधियों ने उन पर भी पिस्तौल तान दी। घबराहट में उन्होंने अपनी स्कूटी पास की एक दुकान में ठोंक दी, जिससे वह गिरकर घायल हो गए। पीड़ित विकास साहनी ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब दिनदहाड़े युवाओं के साथ ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी होती है। लोगों का कहना है कि सिकंदरपुर जैसे संवेदनशील इलाके में भी पुलिस गश्त की कमी साफ दिख रही है। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर अपराधियों में पुलिस का डर क्यों नहीं बचा है। घटना के बाद सिकंदरपुर थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने की बात कही है। थानाध्यक्ष डीके महतो ने बताया कि एक कैमरे में संदिग्ध गतिविधि करते कुछ युवक नजर आए है, जिनकी पहचान कर छापेमारी की जा रही है।

अप्रैल की शुरुआत में ही तपने लगा मुजफ्फरपुर, 38 डिग्री तक पहुंचा पारा, दिन में सड़कों पर दिखा सन्नाटा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गर्मी ने समय से पहले ही अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। आज कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जिससे लोगों को अप्रैल में ही जून जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। सुबह 9 बजे के बाद ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। जो लोग बाहर निकल रहे हैं, वे गमछा या कपड़े से चेहरा ढककर चल रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग खीरा, ककड़ी, डाभ (नारियल पानी) और अन्य ठंडे फलों का सहारा ले रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पछुआ हवा 8 से 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है, जिससे गर्मी का असर और अधिक बढ़ गई है। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 7 अप्रैल के आसपास मौसम में हल्का बदलाव हो सकता है। इस दौरान गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। 7 अप्रैल को छोड़कर फिलहाल मौसम शुष्क ही बना रहेगा, हालांकि हल्के बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है।

सहरसा में 'एकलव्य एथलेटिक्स बालिका आवासीय प्रशिक्षण केंद्र' का शुभारंभ, खेल विकास को मिलेगी नई दिशा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला स्थापना दिवस के अवसर पर 1 अप्रैल को सहरसा स्टेडियम में खेल विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा संचालित एकलव्य एथलेटिक्स बालिका आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने किया, जबकि उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह का संचालन जिला खेल पदाधिकारी श्री वैभव कुमार ने किया। इस दौरान विभाग द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक श्री चंद्रभूषण कुमार एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बालिका खिलाड़ी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान जिला खेल पदाधिकारी ने जिला पदाधिकारी को प्रशिक्षण केंद्र में बालिकाओं के आवासन, भोजन एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। जिला पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त ने सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र सहरसा में खेल के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, जिला खेल पदाधिकारी श्री वैभव कुमार ने बताया कि अब स्टेडियम परिसर में केवल बालिका खिलाड़ियों को ही अभ्यास की अनुमति होगी तथा सभी खिलाड़ियों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया जाएगा। सहरसा जिला एथलेटिक संघ के सचिव एवं सीनियर कोच श्री रोशन सिंह धोनी ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले 7 वर्षों के निरंतर प्रयास के बाद यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र न केवल स्थानीय बालिकाओं को सुरक्षित एवं बेहतर खेल वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि पूरे बिहार के खिलाड़ियों को भी लाभान्वित करेगा। इस आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में बालिकाओं को बिहार सरकार द्वारा निःशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा, खेल पोशाक एवं प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है। साथ ही "मेडल लाओ, नौकरी पाओ" नीति के तहत खिलाड़ियों को भविष्य में रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि सहरसा स्टेडियम के बाहरी परिसर में एक बड़ा आउटडोर स्टेडियम एवं मल्टीपरपज हॉल का निर्माण भी कराया जा रहा है, साथ ही स्टेडियम के पूर्वी हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कर खेल गतिविधियों के लिए विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने केंद्र के शुभारंभ पर खुशी जताते हुए जिला प्रशासन, खेल विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण को धन्यवाद दिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि सहरसा में खेल का माहौल लगातार बेहतर हो रहा है, जिसमें कोच रोशन सिंह धोनी का महत्वपूर्ण योगदान है।

सहरसा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा की बैठक संपन्न, 13–14 अप्रैल के कार्यक्रम की तैयारियों पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा के डी.बी. रोड स्थित आर्यावर्त वैली पाठशाला में शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक अर्चना आनंद ने की। बैठक में बिहार प्रदेश के प्रधान महासचिव हिमांशु पटेल, युवा कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुशवाहा, प्रदेश नेता शिवेन्द्र कुमार जीशू, चंदन बागची एवं रौशन पाठक सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 13 एवं 14 अप्रैल को सहरसा में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करना था, जिसमें बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच जिम्मेदारियों का स्पष्ट रूप से वितरण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और सदस्यता अभियान को गति देने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विंदेश्वरी मेहता, बैजनाथ कुमार विमल, सीएम झा बोआ, अविनाश सिन्हा, प्रणव प्रताप राघव, आरती देवी, बबीता देवी, रणजीत कुशवाहा, संजीत पासवान, नरेश यादव, बिपिन पासवान, मुझरउद्दीन खान बबलू, बालकृष्ण कुशवाहा, अभिमन्यु सिंह, सुबोध झा, शैलेश झा, पवन झा, अंकित आर्या सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण और सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

सहरसा में LPG आपूर्ति को लेकर सख्त प्रशासनिक कदम, सभी गैस गोदामों पर मजिस्ट्रेट तैनात

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में रसोई गैस (LPG) की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने और वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर सभी प्रमुख गैस एजेंसियों एवं गोदामों पर मजिस्ट्रेट (दंडाधिकारी) की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुक किए गए गैस सिलेंडरों की समय पर होम डिलीवरी हो तथा वितरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता न हो। साथ ही, एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी क्षमता के अनुसार लंबित बुकिंग को शीघ्रता से निष्पादित करें। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि अब उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए गोदाम या एजेंसी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन का फोकस "होम डिलीवरी" व्यवस्था को मजबूत करना है, ताकि गैस सीधे उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचे और भीड़भाड़ से बचा जा सके। प्रशासन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार जिले में इंडेन, एचपी गैस और भारत गैस की आपूर्ति स्थिति संतोषजनक है। इंडेन में 11,107 लंबित बुकिंग के मुकाबले औसत दैनिक बिक्री 2,342 और स्टॉक 5,181 है। वहीं एचपी गैस में 6,314 लंबित बुकिंग, 1,584 औसत बिक्री और 1,999 स्टॉक उपलब्ध है। भारत गैस में 2,731 लंबित बुकिंग, 1,230 औसत बिक्री और 2,049 स्टॉक दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन ने भरोसा जताया है कि सभी लंबित बुकिंग को अगले 3 से 5 दिनों के भीतर (बैकलॉग अवधि के अनुसार) पूरा कर लिया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि होम डिलीवरी व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और गोदामों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती से आम लोगों का विश्वास बढ़ेगा, साथ ही समय पर गैस की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। अंत में जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों से ही गैस बुकिंग करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित दंडाधिकारी या जिला आपूर्ति कार्यालय को सूचित करें।

"बौद्ध शिक्षाः समाज के लिए वरदान" विषय पर द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में "बौद्ध शिक्षाः समाज के लिए वरदान" विषय पर आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देश-विदेश के विद्वानों, शिक्षाविदों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए बौद्ध शिक्षा के सामाजिक, नैतिक एवं वैश्विक महत्व पर गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा के माननीय डॉ. प्रेम कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि "बौद्ध शिक्षा मानवता को सही दिशा देने का माध्यम है। वर्तमान समय में जब समाज विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भगवान बुद्ध के विचार हमें शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाते हैं।" इस विशेष अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में "अल्ट्राटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" का विधिवत उद्घाटन भी किया। सम्मेलन के विशिष्ट वक्ता एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) समित तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि "बौद्ध शिक्षा केवल एक दर्शन नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक और व्यावहारिक पद्धति है, जो व्यक्ति और समाज दोनों के समग्र विकास में सहायक है। विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है।" कुलसचिव प्रो. (डॉ.) ब्रिजेश सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि "आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें नैतिकता और मानवीय मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है, जिसे बौद्ध शिक्षा सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है।" अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन को विशेष गरिमा प्रदान करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में लुंबिनी बौद्ध अध्ययन विश्वविद्यालय, नेपाल के डॉ. दयाराम गौतम एवं लुंबिनी बौद्ध धर्म संरक्षण समिति के सचिव डॉ. भिख्खू सिरी वाजिरा ने अपने विचार साझा किए। केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार, गया के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुमित कुमार पाठक ने भी बौद्ध शिक्षा के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में देश-विदेश से कुल 30 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें बौद्ध शिक्षा, शांति, नैतिकता एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई। विदेश से जुड़े शोधार्थियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लेकर इसे वैश्विक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन बिन्नी रानी एवं डॉ. आकांक्षा द्वारा किया गया। इस समस्त सम्मेलन का सफल समन्वयन कला एवं मानविकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार द्वारा किया गया। अंत में, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रुद्र नारायण द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह सम्मेलन बौद्ध शिक्षा की प्रासंगिकता को पुनः स्थापित करते हुए समाज में शांति, सहिष्णुता एवं मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

महिला आयोग में लड़के ने भरी लड़की की मांग

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में बिहार राज्य महिला आयोग के दफ्तर में एक अनोखी शादी देखने को मिली, जहां परिवार के विरोध के बीच एक जोड़े ने सबके सामने विवाह रचा लिया। करीब 2 घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद लड़के ने आयोग के सामने ही लड़की की मांग में सिंदूर भर दिया। इस दौरान स्थिति को संभालने के लिए डायल 112 की टीम को भी बुलाना पड़ा। आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा मिश्रा और सदस्यों की मौजूदगी में इस शादी को मान्यता दी गई। जानकारी के अनुसार, दोनों ने 2 जुलाई 2025 को पटना सिटी कोर्ट में तीन गवाहों की मौजूदगी में कोर्ट मैरेज कर ली थी। बावजूद इसके, लड़के का परिवार इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहा था।

खाजेकला में रहते हैं दोनोंः मामला खाजेकला थाना क्षेत्र का है। लड़का पटना के खाजेकला का निवासी है। वहीं, लड़की संपतचक की निवासी है। जानकारी के मुताबिक, बजपन में लड़की के दादा का देहांत होने के बाद उनके चाचा प्रॉपर्टी हड़प कर गए। तब से पटना के ही अलग-अलग जगह पर किराए के घर में ही रह रही है। आवेदिका ने बताया कि, 'करीब ढाई साल पहले मैं अपने परिवार के साथ किराएदार के रूप में लड़के के यहां रहने आई थी। इसी दौरान हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे और 6 महीने बाद ही हम दोनों ने एक दूसरे से प्यार का इजहार किया।

पटना में मीठापुर मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य तेज

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। भूतनाथ से लेकर मलाही पकड़ी तक ट्रायल रन किया जा चुका है। अब बस कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी और फायर का सर्टिफिकेट मिलना बाकी है। दूसरी ओर खेमनीचक से मीठापुर के बीच मेट्रो का परिचालन एलिवेटेड ट्रैक पर किया जाएगा। इसे लेकर मीठापुर के पास काम में तेजी लाई गई है। मीठापुर मेट्रो स्टेशन निर्माण स्थल पर पीयर के गार्डर लगाए जा रहे हैं। सभी गार्डर को जोड़कर एक लगातार डेक तैयार किया जा रहा है। मीठापुर मेट्रो स्टेशन निर्माण स्थल पर पीयर के गार्डर लगाए जा रहे हैं।

मीठापुर के पास ढांचा पहले ही बनकर तैयार हो गया था। अब सेगमेंटल तरीके से जोड़कर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बनाया जा रहा है। फिर मेट्रो ट्रैक, स्लीपर और बिजली की लाइन लगाई जाएगी। साथ ही सिग्नल सिस्टम और सुरक्षा बैरियर लगाए जाएंगे। इस रूट पर कई जगहों पर तीखे मोड़ बनाए गए हैं। इस तरह के काम इंजीनियरिंग के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण माने जाते हैं। इसके बनने के बाद इस रूट पर खेमनीचक से सीधे जगनपुरा, रामकृष्णा नगर और मीठापुर जैसे प्रमुख स्टेशनों तक पहुंचने और वहां से चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। मीठापुर मेट्रो स्टेशन पटना के न्यू एजुकेशन हब के लिए लाइफलाइन साबित होगा।

तेजस्वी की इंग्लिश स्पीच पर बीजेपी का ग्रामर ज्ञान, कहा- उनकी अंग्रेजी नौवीं फेल अंग्रेजी

लोकतंत्र की शान , पटना

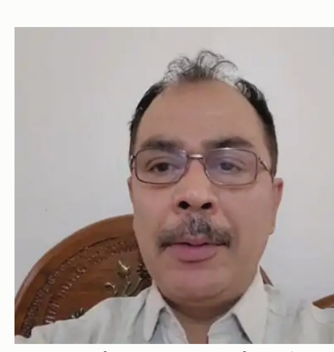

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के केरल दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर बिहार की राजनीति गरमाई हुई है। केरल में एक कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव ने अंग्रेज़ी में कहा-"I have come from Bihar state, which is the poorest state of the country"। तेजस्वी यादव के इस बयान को भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया और भाषा से लेकर बिहार की छवि तक पर सवाल उठाते हुए उन पर तीखा हमला बोला।

भाजपा का हमला- 'पहले अंग्रेज़ी और ग्रामर सुधारिए': भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए तेजस्वी यादव के बयान पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि "Bihar state" कहना गलत और अनावश्यक है, क्योंकि बिहार खुद एक राज्य है। साथ ही "I have come from" के प्रयोग को भी गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि सही वाक्य "I am from Bihar" या "I come from Bihar" होना चाहिए। नीरज कुमार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव की अंग्रेज़ी "नवमी फेल स्तर" की है और वे बिहार को "poorest state" बताकर उसकी छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बिहार को "poorest से richest" बनाने के लिए काम कर रही है।

राजद का पलटवार- 'भाजपा असली मुद्दों से भटका रही': भाजपा के हमले पर राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता "अनर्गल

राजद बोला- भाजपा के नेता तेजस्वी फोबिया से ग्रसित हैं

बयानबाज़ी" कर रहे हैं और वे "तेजस्वी फोबिया" से ग्रसित हैं। एजाज अहमद ने आरोप लगाया कि बिहार की मौजूदा स्थिति के लिए डबल इंजन सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार, लूट और अव्यवस्था का माहौल है, विकास योजनाएं जमीन पर नजर नहीं आ रही हैं और सरकार ने खजाना खाली कर दिया है। भाजपा भाषा और व्याकरण के मुद्दे उठाकर असली समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

केरल में क्या बोले तेजस्वी यादवः केरल में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव ने बिहार की वर्तमान सामाजिक-आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए राज्य को देश का "सबसे गरीब राज्य" बताया। जबकि केरल स्वास्थ्य और शिक्षा में शीर्ष पर है।' उन्होंने बिहार को केरल से सीखने की सलाह दी।

संक्षिप्त समाचार

अकौरी में सांसद ने किया प्राकृतिक खेती का निरीक्षण

(ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट) लोकतंत्र की शान : सीधी। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा आज अकौरी स्थित अपने खेत पहुंचे, जहां उन्होंने प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से जैविक गेहूं की खेती की प्रक्रिया का अवलोकन किया और खेती की विभिन्न विधियों की जानकारी ली। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्राकृतिक खेती भूमि की उर्वरता के संरक्षण और संवर्धन का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने खुशी जताई कि अब बड़ी संख्या में किसान पारंपरिक एवं प्राकृतिक खेती की ओर लौट रहे हैं, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूट करने वाली लड़की हिंदू: खिलौना पिस्टल से की वारदात, दोस्त के साथ बाइक से भागी; दोनों गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ,अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली हिंदू लड़की और उसके दोस्त को पुलिस ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। लड़की का नाम पायल (25) और उसके दोस्त का नाम राहुल है। वारदात के वक्त राहुल दुकान से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल दुकान से भागकर राहुल (25) के साथ भाग निकली थी। पुलिस जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा था। पायल बुर्का पहनकर दोपहर 12.30 बजे दुकान पर पहुंची। पिस्टल दिखाकर 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूटकर फरार हो गई। पहचान छिपाने के लिए दोनों ने बुर्के में वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया था। अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली हिंदू लड़की और उसके दोस्त को पुलिस ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। लड़की का नाम पायल (25) और उसके दोस्त का नाम राहुल है। वारदात के वक्त राहुल दुकान से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल दुकान से भागकर राहुल (25) के साथ भाग निकली थी। पुलिस जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा था। पायल बुर्का पहनकर दोपहर 12.30 बजे दुकान पर पहुंची। पिस्टल दिखाकर 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूटकर फरार हो गई। पहचान छिपाने के लिए दोनों ने बुर्के में वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया था।

पानीपतः शेयर बाजार में हुए घाटे से परेशान ब्रोकर घर से लापता

लोकतंत्र की शान : पानीपत। शेयर बाजार में चल रही अस्थिरता से पानीपत के एक 46 वर्षीय शेयर ब्रोकर भारी घाटे के चलते लगे मानसिक आघात से परेशान होकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई है। पानीपत पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर गगन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल लोकेशन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के जरिए उनका पता लगाने का प्रयास कर रही है। ब्रोकर के पिता केएल आहूजा ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 मार्च की सुबह उनका बेटा गगन घर से नाइट सूट पहनकर पास के पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था। वह अपने साथ मोबाइल फोन और करीब 1500 रुपए नकद भी ले गए थे। जब वह दो घंटे बाद भी नहीं लौटे वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने गगन की तलाश शुरू कर दी साथ ही पुलिस को भी गुमशुदगी की सूचना दी, पुलिस ने सूचना के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया है। परिजनों के अनुसार, गगन लंबे समय से शेयर मार्केट ब्रोकर का काम कर रहा था। पिछले कुछ समय से मध्य पूर्व में जारी वैश्विक संघर्ष और युद्ध की वजह से बाजार में बड़ी गिरावट आई, जिससे गगन के कई ग्राहकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इस बात को लेकर वह अत्यधिक मानसिक तनाव और परेशानी में थे। पिता का मानना है कि संभवतः इसी दबाव के चलते उन्होंने घर छोड़ने का कदम उठाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हिसार : वाहन स्वामियों के लिए सौगात बना 'गेट राइट' मोटर क्लब, दुर्घटना या चालान की हालत में कर रहा मदद

लोकतंत्र की शान : हिसार। वाहन स्वामियों को राहत देने वाली खबर है। रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों की ओर से बनाया गया 'गेट राइट' मोटर क्लब अब उन वाहन स्वामियों की मदद कर रहा है जो दूसरे जिलों या दूसरे प्रदेश में जाकर दुर्घटना या चालान का शिकार हो जाते हैं। 'गेट राइट' मोटर क्लब पुलिस से संबंधित एक्सपर्ट का प्लेटफार्म है, जो वाहन स्वामियों की मदद कर रहा है। दूसरे जिलों या दूसरे प्रदेशों में जाकर चालान या दुर्घटना का शिकार होकर परेशानी झेलने वाले वाहन स्वामियों के लिए यह संस्था किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। 'गेट राइट' मोटर क्लब के सदस्य बनने वाले वाहन चालकों की सारी परेशानियों का हल उन्हीं क्षेत्रों में तैनात 'गेट राइट' मोटर क्लब के पदाधिकारी व सदस्य करवाते हैं। यदि कहीं बाहरी क्षेत्र में चालान हो गया हो तो वाहन स्वामी अपने पूरे कागजात 'गेट राइट' के नजदीकी कार्यालय में जमा करवाता है, उसके बाद 'गेट राइट' मोटर क्लब उस क्षेत्र के पदाधिकारी को सूचित करेगी और उस क्षेत्र का पदाधिकारी उस चालान को डील करेगा, ऐसे में वाहन स्वामी वहां पर आने-जाने के झंझट से मुक्त हो जाता है। इसी तरह किसी दुर्घटना के मामले में भी उसी क्षेत्र का पदाधिकारी वाहन चालक की पुलिस थाने तक जाकर मदद करेगा। 'गेट राइट' के हरियाणा प्रभारी रिटायर्ड डीएसपी महेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 'गेट राइट' मोटर क्लब रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों के माध्यम से वाहन स्वामियों की मदद करता है। किसी क्षेत्र के थाने में व्यक्तिगत सहायता की जाती है और 365 दिन हेल्पलाइन की सुविधा उपलब्ध है। उनका कहना है कि बीमा केवल गाड़ी का होता है लेकिन 'गेट राइट' मोटर क्लब वाहन स्वामी की व्यक्तिगत रूप से मदद करता है। यही वजह है कि मात्र कम समय में ही 'गेट राइट' मोटर क्लब प्रति वाहन स्वामियों का रूझान बढ़ा है और आए दिन वाहन स्वामी 'गेट राइट' मोटर क्लब की सदस्यता ले रहे हैं।

झील में कूदे बुजुर्ग को पुलिस ने बचायाः पुलिसकर्मी सम्मानित

लोकतंत्र की शान : जयपुर। जब एक पल की देरी जिंदगी और मौत के बीच फर्क तय कर सकती थी, तब अजमेर पुलिस ने तत्परता, साहस और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक बुजुर्ग की जान बचा ली। यह घटना पुलिस के मानवीय चेहरे की मिसाल बनकर सामने आई है। प्रकरण के अनुसार, अजमेर जिले के किशनगढ़ निवासी करीब 70 वर्षीय कैलाश गर्ग ने अचानक आनासागर झील में छलांग लगा दी। झील किनारे मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और तुरंत हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हेड कांस्टेबल सज्जन कुमार और कांस्टेबल नरसीराम, पुखराज, बद्रीप्रसाद व राजकुमार ने बिना समय गंवाए झील में उतरकर डूब रहे बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिसकर्मियों की तत्परता और टीमवर्क से एक बड़ी अनहोनी टल गई। रेस्क्यू के बाद बुजुर्ग को तत्काल प्राथमिक उपचार दिलाया गया और परिजनों से संपर्क कर उन्हें सकुशल सुपुर्द कर दिया गया।

14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित

श्रम स्टार रेटिंग के लिये बाल श्रम अथवा बंधक श्रम नहीं होने की घोषणा आवश्यक

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जिले में 14 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित है। श्रम विभाग द्वारा श्रम स्टार रेटिंग के तहत बाल श्रम अथवा बंधक श्रम पाये जाने की स्थिति में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत संबंधित संस्थान को शून्य अंक दिये जाने की व्यवस्था की गई है एवं इस संबंध में सभी श्रम अधिकारियों को निर्देश दिये गये है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि ऐसे संस्थान जिनमें बाल श्रमिक अथवा बंधुआ श्रमिक नियोजित नहीं किये गए है, उनमें यदि अन्य मापदण्डों की पूर्ति थोड़ी कम भी हो, तो उन्हें भी श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाये। उल्लेखनीय है कि माननीय न्यायालय द्वारा बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत मामलों में जुर्माना 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तथा कारावास 6 माह से 2 वर्ष तक सजा का प्रावधान है। इसी प्रकार माननीय न्यायालय द्वारा बंधक श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत अधिकतम कारावास (3 वर्ष) की सजा या अधिकतम जुर्माना 2 हजार रूपये का प्रावधान है। बंधक श्रमिकों के पुनर्वास हेतु केन्द्र प्रवर्तित योजना 2021 में वयस्क पुरूष बंधक श्रमिक हितग्राहियों को एक लाख रूपये की पुनर्वास सहायता तथा अनाथ बच्चों (संगठित क्षेत्र अथवा बल पूर्वक कार्य) तथा महिला बंधक श्रमिकों को दो लाख रूपये की पुनर्वास सहायता दिये जाने के प्रावधान हैं वहीं शारिरिक शोषण अथवा मानव तस्करी से पीडितों को तीन लाख रूपये पुनर्वास सहायता दिये जाने के प्रावधान है। प्रत्येक जिले में बंधक श्रमिकों के पुनर्वास हेतु कार्पस फंड का गठन किया गया है।

चुरहट में भाजपाईयों को मिला दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान वर्ष 2026 के तहत दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन अवध पैलेस चुरहट में किया गया। 1 और 2 अप्रैल को आयोजित प्रशिक्षण में चुरहट मंडल के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, बीएलए ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षण अभियान के संभागीय प्रभारी के.के.तिवारी एवं जिला उपाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय, महामंत्री लोरिक यादव, जिला उपाध्यक्ष शिवदान साकेत, पूर्व जिला अध्यक्ष लालचंद गुप्ता, जीतेन्द्र सिंह चौहान, हरिजन आदिवासी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, सांसद प्रतिनिधि डॉ.देवेन्द्र त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा कृष्ण बहादुर सिंह बब्बू कक्का, पुनीत नारायण शुक्ला समेत सभी वक्ताओं ने प्रशिक्षण दिया। चुरहट मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह एवं मंडल के सभी पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, अब शिकायत पर तुरंत होगा समाधान

» जांच, मॉनिटरिंग और पीएनजी योजना से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। घरेलू गैस की उपलब्धता को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए जिले में एक प्रभावी पहल की गई है। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी दी कि जिला नोडल अधिकारी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रताप गैस एजेन्सी का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि 22 मार्च 2026 तक की बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है। एजेंसी प्रबंधन के अनुसार, वर्तमान में सामान्य दिनों की तुलना में बुकिंग संख्या अधिक होने से बैकलॉग बढ़ा है, हालांकि कंपनी से गैस की आपूर्ति लगातार मिल रही है और लंबित बुकिंग को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसी के साथ जिले में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सिटी गैस वितरण योजना के अंतर्गत नगर पालिका सीधी, नगर परिषद रामपुर नैकिन और नगर परिषद चुरहट में पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से जारी है। नगर पालिका सीधी क्षेत्र में 147 परिवारों को ट्रायल आधार पर पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जबकि जल्द ही चुरहट और रामपुर नैकिन में भी पीएनजी ट्रायल शुरू किया जाएगा। यह पहल शासन की उस मंशा को दर्शाती है, जिसमें उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित और सुविधाजनक गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। पीएनजी व्यवस्था लागू होने से भविष्य में सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी और उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया गया है। जिन हितग्राहियों को रिफिल सिलेंडर प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या हो, वे 8839677266 पर अपना बुकिंग नंबर, तिथि, उपभोक्ता क्रमांक और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर भेजकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

महापौर श्रीमती सूरी के नेतृत्व में विकास का शंखनाद, दो वार्डों में 28 लाख लागत के कार्यों का विधिवत भूमिपूजन संपन्न

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः शहर में आधारभूत सुविधाओं को सशक्त करने और वार्ड स्तर पर विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शुक्रवार को शिवाजी वार्ड एवं बाबू जगजीवन राम वार्ड में लगभग 28 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ, जिसमें महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती प्रभा गुप्ता एवं श्रीमती फ़रीदा आफताब चोखेवाई सहित एमआईसी सदस्यों की उपस्थिति रही। भूमिपूजन विधि-विधान के साथ वार्ड के वरिष्ठ नागरिक श्री उमाशंकर वेदी जी के करकमलों से संपन्न कराया गया, जो सामाजिक सहभागिता और वरिष्ठजनों के सम्मान का प्रतीक रहा। **शिवाजी वार्ड में सड़क एवं मुक्तिधाम विकास को मिलेगा नया आयाम**–शिवाजी वार्ड में नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लगभग 11 लाख रुपए की लागत से कब्रिस्तान मार्ग में सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। लंबे समय से खराब स्थिति में होने के कारण यह मार्ग नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था, जिससे अब राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त लगभग 4 लाख रुपए की लागत से मुक्तिधाम में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य कराया जाएगा । इन कार्यों से न केवल सुविधाओं में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्र की समग्र व्यवस्था में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

नशा मुक्त भारत अभियान की सफलता ,छ हजार कीमत की नशीली दवाइयो के कफ सीरप जप्त, आरोपी गिरफतार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। नशे के काले कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु केंद्र सरकार द्वारा संचालित "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत सीधी पुलिस निरंतर सक्रिय है। इसी तारतम्य में पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत, उप महानिरीक्षक हेमंत चौहान एवं पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के कुशल निर्देशन तथा मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव व एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कोल के नेतृत्व में थाना सेमरिया पुलिस ने नशीली दवाओं की अवैध तस्करी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

कार्यवाही का विवरणः– दिनांक 02.04.2026 को विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम हनुमानगढ़ में त्वरित कार्यवाही की गई। आरोपी राजीव उर्फ बबोल बहेलिया के निर्माणाधीन मकान की बारीकी से तलाशी लेने पर ईंटों और पत्थरों के बीच विशेष रूप से छिपाकर रखी गई अवैध नशीली सामग्री बरामद की गई।

जब्त सामग्री
नशीली गोलियांः 507 नग प्रतिबंधित ट्रामाडोल गोलियां (कीमत 4044.80)
नशीला कफ सिरपः 10 नग अवैध शीशी (कीमत 1719.48)
अन्यः एक कीपैड मोबाइल फोन।
कुल मूल्यः लगभग 6500.28 आँकी गई है।

आरोपी एवं वैधानिक कार्यवाहीः– गिरफ्तार आरोपीः राजीव उर्फ बबोल बहेलिया (32 वर्ष), निवासी हनुमानगढ़, थाना सेमरिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8, 21, 22 NDPS एक्ट एवं 5/13 ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया है। वैधानिक कार्यवाही के उपरांत आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस अब इस अवैध नेटवर्क के अन्य संपर्कों और आपूर्ति श्रृंखला की गहराई से जांच कर रही है।

सराहनीय टीमः– थाना प्रभारी सेमरिया उनि. केदार परौहा के नेतृत्व में गठित टीम में सउनि. भूपेन्द्र बागरी, प्र.आर. पंकज विश्वकर्मा, प्र.आर. जगदीश टांडिया, प्र.आर. रामचरण रावत, आर. मनीष शुक्ला, आर. विनीत सिंह, आर. प्रकाश सिंह, आर. रवी सिंह, महिला आर. कृति त्रिपाठी (थाना जमोड़ी) एवं प्र.आर.चा. जीतेन्द्र बागरी की सराहनीय भूमिका रही।

सीधी पुलिस की अपीलः– नशा मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें। अपने आसपास किसी भी नशीले पदार्थ की बिक्री या तस्करी की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

"नशे को न कहें, सुरक्षित भविष्य चुनें।"

नफ़रत के बाज़ार में मोहब्बत की मिसाल-होली और ईद का संगम

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

लखनऊ के फ़ैज़ाबाद रोड पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल द्वारा आयोजित 'होली एवं ईद मिलन समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष माननीय अजय राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे त्योहार हमें जोड़ने का काम करते हैं और कांग्रेस पार्टी इसी समावेशी भारत के विचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को बधाई देकर सांप्रदायिक सौहार्द का परिचय दिया। यह कार्यक्रम हमारी साझी विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक है, जो संदेश देता है कि भारत की असली खूबसूरती उसकी विविधता और एकता में है। रंगों का उल्लास और ईद की मिठास, हम सब साथ हैं यही है खास ये बात कार्यक्रम आयोजक शमशुल हसन उमरा ने किया जबकि तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं ने इस मे भाग लिया कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव शाहनवाज खान, शाहनवाज आलम, समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे

संभल में विकास की चमकः रात में जगमगाया शहर, चौधरी मुशीर अली खान की पहल रंग लाई

लोकतंत्र की शान, सैय्यद फ़ुर्मेल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका संभल में विकास की नई तस्वीर अब साफ नजर आने लगी है। शहर की सड़कों और गलियों में रात के समय बढ़ी हुई रोशनी ने पूरे संभल को जगमगा दिया है। यह बदलाव नगर पालिका अध्यक्ष पति चौधरी मुशीर अली खान की सक्रिय पहल और दूरदर्शी सोच का नतीजा माना जा रहा है। चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में जगह-जगह नई और अधिक क्षमता वाली स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, जिससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ी है बल्कि आम जनता को भी काफी सहूलियत मिली है। रात में अब जहां पहले अंधेरा रहता था, वहां अब उजाला दिखाई देता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के विकास कार्यों से संभल एक नई पहचान बना रहा है। सड़क, रोशनी और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर तेजी से काम हो रहा है, जो आने वाले समय में शहर को और आगे ले जाएगा। चौधरी मुशीर अली खान लगातार क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत हैं और उनकी योजनाओं का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। संभल में "विकास ही विकास" का नारा अब हकीकत बनता नजर आ रहा है।

अधर में लटक रहा सेमरिया बाईपास का निर्माण नवीन रूट की चर्चा से लोगों में नाराजगी

» ग्रामीणों ने लगाया जिम्मेदारों पर मनमानी का आरोप

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के सेमरिया बाजार क्षेत्र में नवीन सर्वे के आधार पर रूट बनने से लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बाईपास मार्ग स्वीकृत होने के बाद यहां राजनैतिक दबाव के चलते तीन अलग-अलग सर्वे हुए हैं। पुराने सर्वे के आधार पर कुछ कार्य भी हुआ लेकिन बाद में दबाव बनाकर अलग सर्वे के आधार पर कार्य करान की पूरी तेजी दिख रही है। हैरत की बात तो यह है कि प्रथम सर्वे के अलावा अन्य दो सर्वे के बारे में लोगों को जानकारी ही नहीं है। यहां तक कि सर्वे के संबंध में जानकारी मांगने पर जिम्मेदार अधिकारी अनभिज्ञता प्रदर्शित करते हैं। दरअसल लोक निर्माण विभाग द्वारा 2021 में अनुमोदित कार्यों में से एक सेमरिया दक्षिण से बायपास सड़क निर्माण कार्य होना था, लेकिन अभी तक इस बायपास में कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। वहीं इस बायपास को लेकर ग्रामीणों में खासी नाराजगी है क्योंकि ग्रामीणों के अनुसार बायपास सड़क का जो रूट तय हुआ था उसको बदल कर नवीन रूट तय कर दिया गया है, जिससे बायपास की दूरी और लागत दोनों बढ़ रही है। ग्रामीणों से बात करने पर पता चला है कि नवीन रूट के अनुसार मुआवजा भी बांट दिया गया है, जबकि नवीन संशोधन का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है, विभाग एवं अधिकारियों से जब ग्रामीण जानकारी लेने गए उनको खाली हाथ ही लौटना पड़ा है, जिससे ग्रामीण बायपास को लेकर असंतुष्ट और काफी नाराज हैं।

आरटीआई जानकारी में सर्वे का रिकार्ड गायब

सेमरिया में बाईपास निर्माण के लिए हुए सर्वे की जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा-6(1) के तहत मो. जहांगीर अंसारी निवासी करौंदिया दक्षिण टोला सीधी द्वारा लोक निर्माण विभाग सीधी संभाग में आवेदन लगाकर मांगी गई थी। जिस पर 27 फरवरी 2026 को जवाब दिया गया कि ग्राम सेमरिया में दक्षिणी तरफ से बाईपास सड़क निर्माण हेतु सर्वे के संबंध में ऐसा कोई भी अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। यह जानकारी सामने आने के बाद अब स्थानीय लोगों में चर्चा है कि बिना कोई सर्वे रिकार्ड के ही मनमानी तौर पर बाईपास निर्माण के लिए जगह क्यों बदली जा रही है। यह किसके दबाव पर हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी, हर पशु पर रोजाना 30 रुपए वसूलेगी सरकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है। सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है। वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है। सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों में लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस फीस का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

नेपाल में शैक्षिक सत्र शुरू होने से पहले छात्रों के नामांकन पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और संबंधित पक्षों को निर्देश दिया है कि छात्र-छात्राओं का प्रवेश केवल शैक्षणिक सत्र के आधिकारिक रूप से शुरू होने के बाद ही किया जाए। यह अंतरिम आदेश उन स्कूलों द्वारा सत्र शुरू होने से पहले ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की प्रथा को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया गया। याचिका में कहा गया था कि कुछ स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ही प्रवेश परीक्षा और दाखिला प्रक्रिया से संबंधित सूचनाएं जारी कर दी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि मौजूदा शिक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई न की जाए। नेपाल में अधिकांश निजी विद्यालय शैक्षिक सत्र शुरू होने से पहले ही विद्यार्थियों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं और इसके लिए कई विद्यालयों ने प्रवेश परीक्षा भी ले ली है, जबकि चालू शैक्षिक सत्र का अभी अंत भी नहीं हुआ है। नेपाल में वैशाख महीने अर्थात 15 अप्रैल के बाद ही शैक्षिक सत्र की औपचारिक शुरुआत होती है। इसी व्यवस्था के खिलाफ अभिभावकों ने सुप्रीम कोर्ट में रिट दाखिल कर इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी, जिस पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश दिया है।

अफवाह फैलाने के आरोप में पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में अब तक 11 नेपाली नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने के आरोप में पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में अब तक 11 नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यूएई में 3, सऊदी अरब में 4, कतर में 3 और ओमान में 1 नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय के अनुसार युद्ध के दौरान ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। इन्हीं हमलों के दौरान गिर रहे फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करने तथा गलत अफवाह फैलाने के आरोप में इन नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता क्षेत्री ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के मामले में संबंधित देशों में स्थित नेपाली दूतावास और मिशन आवश्यक जानकारी जुटाने और समन्वय करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की प्रकृति क्या है और इसके लिए कितनी जुर्माना राशि तय की जाएगी, इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। युद्धग्रस्त पश्चिम एशियाई देशों ने सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक संदेशों पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। इन देशों ने स्पष्ट किया है कि झूठी जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ गिरफ्तारी से लेकर निर्वासन (डिपोर्ट) तक की कार्रवाई की जा सकती है।

राजस्थान के रेगिस्तान में ओले गिरे, 7 जिलों में बारिश, यूपी-दिल्ली में धूलभरी आंधी चली

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/शिमला। देश के कई राज्यों में अगले तीन दिन मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के जयपुर समेत सात जिलों में शुक्रवार को बारिश हुई। वहीं जैसलमेर और बीकानेर में ओले भी गिरे। चूरू में धूल भरी आंधी चली। पंजाब और ट्राइसिटी क्षेत्र चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में भी मौसम बदला। मोहाली, पठानकोट और बठिंडा के कुछ इलाकों में बारिश हुई। उत्तर प्रदेश में वाराणसी समेत कई जिलों में तेज धूल भरी आंधी के बाद बारिश हुई। प्रयागराज और जौनपुर सहित सात जिलों में तेज हवा चली और बारिश हुई। आकाशीय बिजली गिरने से चित्रकूट में 2 और ललितपुर में 1 व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली में भी शुक्रवार सुबह धूलभरी आंधी चली। इससे कई हिस्सों में विजिबिलिटी कम हो गई। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में एवलांच की आशंका जताई गई है। हिमाचल में अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल पर एवलांच खतरे के कारण पर्यटकों की एंट्री रोक दी गई है। वहीं जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में लोगों को पहाड़ी और बर्फीले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म

भोपाल। विधानसभा सचिवालय ने दतिया विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने का आदेश जारी कर दिया है। गुरुवार देर रात करीब साढ़े दस बजे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा विधानसभा पहुंचे। इसके बाद सचिवालय खोलकर भारती की सीट रिक्त घोषित करने का पत्र चुनाव आयोग को भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। शर्मा आदेश टाइप करा रहे थे, इसी बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और दूसरे नेता भी विधानसभा पहुंच गए। दोनों नेता सीधे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के चैंबर में पहुंचे और पूछा कि इतनी रात में विधानसभा क्यों खोली गई? प्रमुख सचिव शर्मा बिना जवाब दिए वहां से निकल गए। देर रात आदेश जारी कर दिया गया। उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारती की सदस्यता खत्म करने के लिए यह कदम भाजपा के इशारे पर उठाया गया। यह नियमों के खिलाफ है। हम कोर्ट जाएंगे। मामले पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा- विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने के विरोध में कांग्रेस कोर्ट जाएगी। इसको लेकर पार्टी सांसद और सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा, दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल समेत टीम काम कर रही है, जो कोर्ट में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों पर डिस्कशन करेंगी। पटवारी ने कहा- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे पर काम करते हुए भाजपा लोकतंत्र खत्म करने में जुटी हुई है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का पेड न्यूज से संबंधित मामला विधानसभा में पेंडिंग है। बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और राजेंद्र भारती के पास अपील का समय होने के बाद भी सदस्यता खत्म कर दी गई है।

जंग के बीच ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल, काश पटेल-तुलसी गबार्ड को भी हटाने की चर्चा

24 घंटे में निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी वेबसाइट द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक अगला नंबर FBI चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है। इसमें आर्मी सेक्रेटरी डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर का नाम भी शामिल है।

ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया

जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है।

क्रिस्टी नोएम- बर्खास्त होने वाली पहली अधिकारी: ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है। कुछ समय से उनकी काम करने की शैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जिम्मेदारी होती है कि देश को अंदर और बाहर से आने वाले खतरों से सुरक्षित रखा जाए। उनकी राजनीतिक छवि भी विवादों में रही, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा था। आलोचकों का कहना था कि वे ज्यादा राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं।

पैम बॉन्डी- एपस्टीन फाइल्स की भेंट चढ़ीं: व्हाइट हाउस के एक करीबी ने द अटलांटिक से कहा कि क्रिस्टी नोएम को हटाने पर जो प्रतिक्रिया मिली, उससे ट्रम्प को हिम्मत मिली और उन्होंने बॉन्डी को हटाने का फैसला आगे बढ़ाया। माना जा रहा है कि पैम बॉन्डी ने एपस्टीन मामले को ठीक से नहीं संभाला। दरअसल, एपस्टीन मामले से जुड़ी सच्चाई सामने लाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, खासकर 'क्लाइंट लिस्ट' को लेकर, जिसमें यह बताया जाता है कि किन-किन प्रभावशाली लोगों का उससे संबंध था। एपस्टीन पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों का शोषण करता था और एक बड़ा नेटवर्क चलाता था, जिसमें ताकतवर और अमीर लोग शामिल हो सकते थे। इसी वजह से लोग यह जानना चाहते हैं कि उस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था।

अब हाईकोर्ट में आमने-सामने होंगे राहुल गांधी और कार्तिकेय

एजेंसी, जबलपुर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जल्द ही कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी और शिवराज परिवार आमने-सामने होंगे। मामला मानहानि केस से जुड़ा है। इसे लेकर राहुल गांधी ने एमपी एमएलए कोर्ट के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की बेंच एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगी।

29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में किया था पनामा पेपर लीक का जिक्र: यह विवाद 29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में हुई एक चुनावी सभा से शुरू हुआ था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पनामा पेपर लीक मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे कार्तिकेय चौहान का नाम शामिल है। हालांकि, बाद में राहुल ने इसे कंफ्यूजन बताया था, लेकिन कार्तिकेय ने इसे छवि खराब करने की साजिश बताते हुए मानहानि का केस दर्ज कराया।

कार्तिकेय ने आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया: इसके बाद कार्तिकेय ने भोपाल एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया था। कोर्ट में मामला दायर करने के बाद कार्तिकेय

❑ **भोपाल एमपी-एमएलए कोर्ट के समन को राहुल ने दी चुनौती, अगले हफ्ते सुनवाई**

ने कहा था कि राहुल ने उन्हें तथा उनके परिवार को बदनाम करने के लिए जान-बूझकर यह बयान दिया है। राहुल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 499 एवं 500 के तहत आपराधिक मानहानि का केस दर्ज किया गया था। भोपाल एमपी एमएलए कोर्ट की विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया और इसी को रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने हाई कोर्ट का रुख किया। अदालत ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद इस मामले को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मालदा में SIR से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था।

इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में AIMIM का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को SIR में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के BDO ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश

◆ **एयरपोर्ट से पकड़ाया, भागने की फिराक में था, अब तक 35 गिरफ्तारी, एनआईए जांच शुरू**

पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था। उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है।

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र को एकतरफा बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने 16-18 अप्रैल तक बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को एकतरफा बताया है। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार की तरफ से इसको लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पत्राचार भी किया गया, लेकिन ऐसा लगता है कि यह सिर्फ दिखावा था और सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने का पहले ही मन बना चुकी थी।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच हुए पत्राचार का ब्योरा देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। 16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन के लिए कांग्रेस से चर्चा की इच्छा जताई। खरगे ने उसी दिन जवाब दिया कि सरकार को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और लिखित प्रस्ताव देना चाहिए। 24 मार्च को विपक्षी दलों ने रिजिजू को फिर से एक पत्र लिखकर सुझाव दिया कि वर्तमान में कई राज्यों में चुनाव और आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है इसलिए 29 अप्रैल के बाद बैठक बुलाई जाए। 26 मार्च को रिजिजू ने फिर से खरगे को पत्र लिखा और कहा

कि हम दोबारा मांग करते हैं, कांग्रेस हमसे मिले और बातचीत करे, ताकि हम संविधान संशोधन के प्रस्ताव को आगे बढ़ाएं।

खरगे ने जवाब दिया कि सभी दलों को बुलाकर एक बैठक कीजिए और 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाइए। 16 से 26 मार्च तक खतों का आदान-प्रदान हुआ लेकिन भारतीय जनता पार्टी पहले ही मन बना चुकी थी कि विशेष सत्र बुला लिया जाए। अंत में रिजिजू ने एकतरफा निर्णय लेते हुए 16, 17, 18 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया। मतलब साफ है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव से कुछ दिन पहले ही आचार संहिता के दौरान ये विशेष सत्र

❑ **16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन के लिए कांग्रेस से चर्चा की इच्छा जताई**

बुलाया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा कि रिजिजू ने अपने सारे खतों में सिर्फ नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बात की है लेकिन अब साफ हो गया है कि ये विशेष सत्र सिर्फ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर नहीं है बल्कि परिसीमन को लेकर भी है। हैरानी वाली बात यह है कि हमसे कभी भी परिसीमन का जिक्र नहीं किया गया, कभी इसके ऊपर कोई चर्चा नहीं हुई। अब ये साफ हो चुका है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में सिर्फ 30 महीने के अंदर संशोधन लाया जाएगा, साथ ही परिसीमन को लेकर संविधान में संशोधन किया जाएगा। इन तीन दिनों के विशेष सत्र में ये दो मुद्दे आएंगे।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में 23 एवं 29 अप्रैल को दो चरणों में और तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

भाजपा ने 27 सीटों पर उम्मीदवार किए घोषित

तमिलनाडु चुनाव-2026

◆ **मायलापुर से तमिलिसाई और अविनाशी से वेलमुरुगन मैदान में**
◆ **भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई को इस बार टिकट नहीं**

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन में 27 सीटें मिली हैं, जिन पर प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। भाजपा की जारी सूची के अनुसार, अविनाशी (आरक्षित सीट) से केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. वेलमुरुगन को टिकट दिया गया है, जबकि मायलापुर सीट से तमिलिसाई सौंदरराजन को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा मोडक्कुरिची से कृतिका शिवकुमार, कोयंबटूर उत्तर से वानथी श्रीनिवासन और अरंथांगी से कविता श्रीकांत सहित कई नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा गया है।

इस चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह भी है कि कांग्रेस से जीत हासिल करने वाली विजयधारणी इस बार भाजपा के टिकट पर विलवन्कोडु सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई को इस बार टिकट नहीं मिलने से सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच सीट बंटवारे को लेकर पहले ही सहमति बन चुकी थी। नामांकन की अंतिम तिथि नजदीक होने के कारण पार्टी ने समय रहते उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। प्रत्याशियों के चयन में पार्टी ने कई दौर की बैठकों और विचार-विमर्श के बाद सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा है।

उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही राज्य में चुनावी माहौल और गर्म हो गया है और सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। भाजपा ने अवडी से राज्यमंत्री महेंद्रन, मायलापुर से तमिलिसाई सौंदरराजन, थल्ली से नागेश कुमार, तिरुवन्नामलाई से एझुमलाई, राशीपुरम (आरक्षित सीट) से प्रेमकुमार, मोडक्कुरिची से कृतिका शिवकुमार, उधगई से भोजराजन, अविनाशी (आरक्षित सीट) से वेलमुरुगन, तिरुपत्तूर दक्षिण से थंगराज, कोयंबटूर उत्तर से वानथी श्रीनिवासन, तिरुवारूर से गोपीचंदुरु, तंजावुर से मुरुगानंदम, कंदरवकोट्टई (आरक्षित सीट) से उदयकुमार, पुदुकोट्टई से एन. रामचंद्रन, अरंथांगी से कविता श्रीकांत, तिरुपत्तूर से तिरुमारन, मानामदुरै (आरक्षित सीट) से बालागणपति, मदुरै दक्षिण से राम श्रीनिवासन, सत्तूर से नैनार नागेंद्रन, रामनाथपुरम से नागेंद्रन, तिरुचेंदूर से राधाकृष्णन, वासुदेवनल्लूर (आरक्षित सीट) से आनंदन, राधापुरम से बालकृष्णन, नागरकोविल से एम.आर. गांधी, कुलाचल से टी. शिवकुमार, पद्मनाभपुरम से रमेश और विलवन्कोडु से विजयधारणी को उम्मीदवार बनाया गया है।

असम को नहीं बनने देंगे लव जेहाद एवं लैंड जेहाद की धरती : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, बरपेटा (असम)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के पक्ष में बरपेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के पहले ही मैदान छोड़कर भाग गई, जबकि एआईयूडीएफ को भी बंगाल की खाड़ी में फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने असमवासियों से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि घुसपैठियों को बाहर करना है और असम की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देना है। राजग का संकल्प है कि असम को लव जेहाद-लैंड जेहाद की धरती नहीं बनने देंगे। यहां घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस

व यूडीएफ की घुसपैठियों के जरिये डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे। एक-एक घुसपैठी को चिह्नित कर यहां से बाहर करने की भी व्यवस्था हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का अड्डा नहीं बनने देंगे और दंगाइयों को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ को जब भी अवसर मिला, इन्होंने भारत व भारतीयता को अपमानित किया। एआईयूडीएफ असम में घुसपैठ की जननी है। घुसपैठियों के बल पर असम की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनकी सहयोगी बनकर असम की संस्कृति से खिलवाड़ कर रही है।

मप्र के रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होगा कृषि महोत्सव

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के रायसेन के दशहरा मैदान में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव–प्रदर्शनी का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। 13 अप्रैल को समापन सत्र में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर क्षेत्र के लिए समग्र कृषि रोडमैप जारी किया जाएगा।

कृषि मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार दशहरा मैदान, रायसेन में लगने वाले इस विशाल राष्ट्रीय कृषि मेले में नई खेती तकनीकों, उन्नत बीज, ड्रोन व आधुनिक मशीनों, सूक्ष्म सिंचाई, पशुपालन–मत्स्यपालन, प्रसंस्करण, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और ग्रामीण आजीविका के सैकड़ों स्टॉल लगेंगे, जहां किसान देखेंगे भी, सीखेंगे भी

और तुरंत लाभ लेने के तरीके भी समझेंगे।

समापन सत्र में रायसेन, विदिशा, सीहोर और आसपास के समान एग्रो-क्लाइमेटिक कृषि-जलवायु क्षेत्र के लिए विशेष कृषि रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें उत्पादन बढ़ाने से लेकर बाजार तक पहुंच मजबूत करने की स्पष्ट दिशा दी जाएगी ।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लगभग तीन सौ स्टॉलों वाली यह बहु-क्षेत्रीय प्रदर्शनी खेती के हर चरण– इनपुट से लेकर प्रसंस्करण और विपणन तक के समाधान एक ही जगह उपलब्ध कराएगी।

उज्जैन में विज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय

उज्जैन में 'महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

एजेंसी, भोपाल

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहां अध्यात्म और विज्ञान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है और एक नई दृष्टि का जन्म होता है। भारत के जितने भी प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं, चाहे वह उज्जैन हो, काशी हो, कांची हो या पुरी धाम, सभी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी 'जीती-जागती प्रयोगशालाएं' हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय मिलता है।

केंद्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान और आध्यात्मिकता के अटूट संबंध पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि

विज्ञान आध्यात्मिकता के बिना अधूरा है और इसका सबसे सटीक उदाहरण स्वयं उज्जैन नगरी और महाकाल मंदिर की व्यवस्थाओं में दिखाई देता है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने महाकाल मंदिर के एक वैज्ञानिक अनुष्ठान का उल्लेख करते हुए बताया कि वैशाख मास के पहले दिन से भगवान शिव के ऊपर मटके से निरंतर जल की धारा प्रवाहित करने की व्यवस्था केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ग्रीष्मकाल की चुनौतियों का एक वैज्ञानिक समाधान और पर्यावरणीय प्रबंधन है। यह दर्शाता है कि हमारा समाज सदियों से काल गणना और प्रकृति के बदलावों के अनुसार अपनी जीवनशैली को ढालने की वैज्ञानिक समझ रखता था। भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व और संतुलित जीवन प्रवाह हमेशा से केंद्र में रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहाँ से कर्क रेखा गुजरती है और यहीं से प्राचीन काल में दुनिया की काल गणना होती थी, इसलिए अब समय आ गया है कि हम 'ग्रीनविच मीन टाइम' (जीएमटी) के स्थान पर 'महाकाल स्टैंडर्ड टाइम' (एमएसटी) की तार्किक स्थापना करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक एआई उपकरण भी यह स्वीकार करते हैं कि काल गणना का मूल केंद्र उज्जैन के आसपास का क्षेत्र है, अतः हमें अपने वैज्ञानिक स्वाभिमान को वैश्विक स्तर पर पुनः स्थापित करना होगा और यह इस विमर्श का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे।

माता-पिता बुज़ुर्गों की देखभाल न करने पर सरकार का त्वरित डंडा चलेगा-वेतन से 15 प्रतिशत कटौती कर सीधे माता-पिता बुज़ुर्गों के अकाउंट में डीबीटी -तेलंगाना राज्य का हस्तक्षेपः बुज़ुर्गों की सुरक्षा की नई दिशा -समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» पिता की देखभाल न करने पर वेतन से 15 प्रतिशत त्वरित कटौतीः सामाजिक न्याय,नैतिक जिम्मेदारी और कानून के बीच संतुलन काबिल-ए-तारीफ़

» कर्मचारी जवाबदेही एवं माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक, 2026 न केवल एक कानूनी कदम,बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप जिसका संज्ञान सभी राज्यों ने लेना जरूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।तकनीकी उन्नति, वैश्वीकरण और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है,वहीं पारिवारिक संरचनाओं और संबंधों के स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया है।कभी संयुक्त परिवारों में पनपने वाली भावनात्मक सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी अब तेजी से एकल परिवारों में सिमटती जा रही है। इस परिवर्तन के बीच सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है,बुजुर्ग माता-पिता। जीवन के उस चरण में,जब उन्हें सबसे अधिक सहारे,सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अक्सर उपेक्षा,अकेलेपन और आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं।ऐसे समय में तेलंगाना राज्य द्वारा पारित कर्मचारी जवाबदेही एवं माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 न केवल एक कानूनी कदम है, बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप भी है।इस विधेयक का मूल संदेश स्पष्ट और कठोर है यदि कोई संतान अपने माता-पिता की देखभाल से मुंह मोड़ती है, तो राज्य उसके निजी दायित्व को लागू करने के लिए सटीक रूप से हस्तक्षेप करेगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं ने गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह विचार अपने आप में क्रांतिकारी है,क्योंकिपारिवारिक संबंधों को अब तक निजी और नैतिक क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां कानून की भूमिका सीमित थी। परंतु जब नैतिकता विफल हो जाती है, तब कानून का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। यह विधेयक इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बुजुर्गों की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसका समाधान केवल सामाजिक उपदेशों से नहीं, बल्कि कठोर कानूनी प्रावधानों से ही संभव है। एक अधिवक्ता व लेखक के रूप में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा के कि इस विधेयक को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वेतन कटौती की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अधिकतम राशि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जा सकता है,ताकि यह अधिक प्रभावी और निवारक बन सके। साथियों बात अगर हम अब क्या ऐसा कानून सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर सीधा सख़्ती से हां में है, क्योंकि इसके कई सामाजिक, आर्थिक और कानूनी पहलू हैं। एक ओर यह कानून वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। यह उन संतान को जिम्मेदारी का एहसास कराएगा जो आर्थिक रूप से सक्षम होते हुए भी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि माता-पिता की सेवा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य कर्तव्य है इसके अलावा, इस कानून को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए। यदि सभी राज्य इस मॉडल को अपनाते हैं, तो यह बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा तैयार कर सकता है।हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी तक भारत के किसी भी राज्य या केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई व्यापक कानून लागू नहीं किया गया है,जिसमें सीधे वेतन से 15प्रतिशत कटौती का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। कुछ मामलों में न्यायालयों ने व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर वेतन से भरण- पोषण राशि काटने के आदेश दिए हैं, लेकिन यह एक सामान्य कानून नहीं बल्कि केस-टू-केस आधार पर लिया गया निर्णय होता है। साथियों बात अगर हम बुजुर्गों के व्यथा को समझने की करें तो बुढ़ापा जीवन का एकअपरिहार्य सत्य है। यह वह अवस्था है, जहां शारीरिक और मानसिक क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। बीमारियां बढ़ती हैं,आय के स्रोत समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है।भारतीय संदर्भ में यह निर्भरता मुख्यतः संतान पर होती है,क्योंकि अधिकांश लोगअपनी जीवन भर की कमाई अपने बच्चों की शिक्षा, विवाह और भविष्य निर्माण में खर्च कर देते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का सहारा मिल सकता है, लेकिन निजी क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में यदि संतान भी उनका साथ छोड़ दे, तो यह स्थिति उनके लिए अत्यंत कष्टदायक और अमानवीय बन जाती है। साथियों बात कर हम तेलंगाना विधानसभा द्वारा 29 मार्च 2026 क्रो पारित विधेयक को समझने की करें तो यह विधेयक इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। इसके तहत यदि कोई कर्मचारी चाहे वह सरकारी हो या निजी अपने माता-पिता की देखभाल में लापरवाही करता है, तो उसके वेतन से 15 प्रतिशत या अधिकतम 10,000 रुपये प्रति माह की कटौती की जाएगी और यह राशि सीधे माता-पिता के बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। यह प्रावधान न केवल आर्थिक सहायता सुनिश्चित करता है,बल्कि यह एक सशक्त संदेश भी देता है कि संतान अपने दायित्व से बच नहीं सकती।यह कानून जनप्रतिनिधियों जैसे विधायक, सरपंच पर भी लागू होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जवाबदेही सभी के लिए समान है।इस विधेयक की एक विशेषता इसकी स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया है। यदि माता-पिता को लगता है कि उनके साथ उपेक्षा हो रही है, तो वे जिला कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर को 60 दिनों के भीतर मामले की जांच कर निर्णय देना अनिवार्य है। यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो वेतन कटौती का आदेश जारी किया जाता है। यदि आवेदन खारिज हो जाता है, तो वरिष्ठ नागरिक आयोग के पास अपील का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करती है,जो अक्सर अन्य कानूनों में देखने को नहीं मिलती। साथियों बात अगर हम विधेयक में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान को समझने की करें तो वह है, वरिष्ठ नागरिक आयोग की स्थापना। यह आयोग एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में कार्य करेगा और अपीलीय निकाय के रूप में कार्य करेगा। इसके पास गवाहों को बुलाने, जांच करने और निर्णय देने कीशक्तियां होंगी। यह व्यवस्था न केवल शिकायतों के त्वरित निपटान को सुनिश्चित करती है, बल्कि यह बुजुर्गों को न्याय प्राप्त करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान करती है। यह कानून केवल दंडात्मक नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करना भी है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है "मातृ देवो भव, पितृ देवो भव" का आदर्श हमारे संस्कारों में गहराई से निहित है। श्रवण कुमार की कथा इसका प्रतीक है, जहां पुत्र अपने माता-पिता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। परंतु आधुनिक जीवन की आपाधापी में ये मूल्य कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे में यह कानून एक चेतावनी भी है और एक मार्गदर्शन भी कि यदि समाज अपने मूल्यों को भूल जाएगा, तो राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। साथियों बात अगर हम भारत में पहले से ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है इसको समझने की करें तो। इसकी सबसे बड़ी कमजोरी इसका धीमा क्रियान्वयन है।कई बार शिकायतों के निपटान में इतनी देरी हो जाती है कि बुजुर्गों को न्याय मिलने से पहले ही उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। तेलंगाना का यह नया विधेयक इस कमी को दूर करता है, क्योंकि इसमें समयबद्ध प्रक्रिया और सख्त प्रावधान शामिल हैं। यह न केवल पुराने कानून को मजबूत करता है, बल्कि उससे आगे जाकर एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करता है।यह भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून को केवल दंडात्मक उपाय के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक सुधार के उपकरण के रूप में समझा जाए। सरकार को इसके साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाने चाहिए,ताकि लोग अपनेकर्तव्यों को समझें और स्वेच्छा से उनका पालन करें। शिक्षा प्रणाली में भी ऐसे मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए, जो बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदार बनाएं। साथियों बात अगर हम इस संपूर्ण प्रावधानों बातों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई देशों में बुजुर्गों की देखभाल के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। चीन में फिलियल रिस्पॉन्सिबिलिटी लॉ है, जो बच्चों को अपने माता-पिता से मिलने और उनकी देखभाल करने के लिए बाध्य करता है। सिंगापुर में मेंटेनेंस ऑफ पेरेंट्स एक्ट है, जिसके तहत माता-पिता अपने बच्चों से आर्थिक सहायता की मांग कर सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी ऐसे कानून हैं, हालांकि उनका स्वरूप और कठोरता अलग-अलग है। इस दृष्टि से तेलंगाना का यह विधेयक वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप है, लेकिन इसकी कठोरता और स्पष्टता इसे विशेष बनाती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि यह कहना गलत नहीं होगा कि तेलंगाना का यह विधेयक एक नए सामाजिक अनुबंध की शुरुआत है, जहां राज्य, समाज और व्यक्ति के बीच जिम्मेदारियों का पुनर्संतुलन किया जा रहा है। यह कानून हमें यह याद दिलाता है किविकास केवल आर्थिक प्रगति का नाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण से भी जुड़ा है। यदि हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं, तो हम न केवल अपने अतीत से मुंह मोड़ते हैं, बल्कि अपने भविष्य को भी असुरक्षित बनाते हैं। इसलिए, समय की मांग है कि हम इस पहल को गंभीरता से लें और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें। प्रत्येक राज्य, प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक परिवार को यह समझना होगा कि बुजुर्गों की देखभाल केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है। यदि समाज इस जिम्मेदारी को निभाने में विफल रहता है, तो कानून का डंडा चलना ही चाहिए क्योंकि अंततः एक सभ्य समाज की पहचान इसी से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और निर्भर सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है। पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है।

नागरिक देवो भवःभ्रष्टाचार-मुक्त भारत की ओर एक निर्णायक यात्रा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और संस्कृति का मूल मंत्र सदियों से अतिथि देवो भव रहा है, जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों को आकार दिया,बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी स्थापित की।किंतु आज के परिवर्तित समय में यह आवश्यकता महसूस की जा रही है कि इस मंत्र को एक व्यापक और अधिक समकालीन रूप देते हुए नागरिक देवो भव के रूप में स्थापित किया जाए। यह केवल एक नारा नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन का दर्शन है। जब तक शासन के केंद्र में नागरिक नहीं होगा,तब तक विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। यह मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के मूल चरित्र में आमूल-चूल परिवर्तन का आह्वान है। 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिया गया संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।वर्तमान समय में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में 2047 का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है तब भ्रष्टाचार इस यात्रा का सबसे बड़ा अवरोध बनकर सामने आता है।इसलिए यह समय की मांग है कि जैसे नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई और लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया,वैसे ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए भी एक ठोस और समयबद्ध रणनीति अपनाई जाए। जिसकी मांग मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से हर आर्टिकल के माध्यम से करते रहता हूं आज फिर इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन कर रहा हूं।भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है,यह सामाजिक विश्वास का हनन है। यह उस तंत्र को खोखला करता है, जिसपर लोकतंत्र टिका होता है। विकसित भारत के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें,तो पाएंगे कि भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं पहुंचाता, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करता है।भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती है। चाहे वह एक छोटे स्तर का कर्मचारी हो या उच्च पदस्थ अधिकारी जब तक काम निकालने की मानसिकता और जुगाड़ संस्कृति समाज में बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं।जब एक आम नागरिक सरकारी दफ्तर में जाता है,तो वह केवल एक सेवा की अपेक्षा नहीं करता,बल्कि वह न्याय,पारदर्शिता और सम्मान की भी उम्मीद करता है। यदि उसे वहां भ्रष्टाचार,उपेक्षा या अपमान का सामना करना पड़ता है,तो उसका विश्वास न केवल उस संस्था से,बल्कि पूरे शासन तंत्र से उठने लगता है।यही कारण है कि नागरिक देवो भव की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,क्योंकि यह शासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित करती है कि नागरिक सर्वोपरि है और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है। साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव की संकल्पना को समझने की करें तो इसका का अर्थ है,हर नागरिक को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।यह सोच प्रशासन को पावर-सेंट्रिक से पीपल-सेंट्रिक बनाती है।इस अवधारणा के अंतर्गतःसरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वतः ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,इस प्रकार,इंडिविजुअल ट्रांसफॉर्मेशन ही इंस्टिट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन का आधार बनता है।स्थानीय प्रशासनः सरकार का वास्तविक चेहरा आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं होता, बल्कि उसका स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है।तहसील कार्यालय नगर निगम,पुलिस स्टेशन,सरकारी अस्पताल यही वे स्थान हैं, जहां नागरिक सीधे सरकार से जुड़ता है। यदि यहां का व्यवहार सकारात्मक, पारदर्शी और संवेदनशील होगा, तो लोकतंत्र में विश्वास स्वतः ही मजबूत होगा। लेकिन यदि यहां भ्रष्टाचार, देरी और असंवेदन शीलता होगी, तो जनता का विश्वास डगमगा जाएगा।कर्तव्य-प्रधान प्रशासनः अधिकार से अधिक जिम्मेदारीपीएम ने प्रशासनिक संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, अधिकार से अधिक कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना।भारतीय संविधान भी यही सिखाता है कि अधिकार, कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।जब कोई अधिकारी हर निर्णय से पहले यह सोचता है किःयह निर्णय जनता के लिए कितना लाभकारी है? इससे कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा?तो उसके निर्णय स्वतः ही अधिक प्रभावी और सटीक रूप से अति जनहितकारी बन जाते हैं। साथियों बात अगर हरशासकीय कर्मचारी द्वारा इस भाव की संकल्पना को समझने की करें तो,हम आज आवश्यकता है कि चपरासी से लेकर उच्चतम अधिकारी तक,संत्री से लेकर मंत्री तक,हर शासकीय कर्मचारी इस भावना को अपने भीतर आत्मसत करे। पद का अहंकार छोड़कर सेवा का भाव अपनाना ही इस परिवर्तन की कुंजी है। जब एक अधिकारी अपने पद को अधिकार के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।यह व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बनता है। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि उसके एक निर्णय से कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा,तो वह निर्णय अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी होगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में भारत की करें तो, भारत एक आकांक्षी समाज के रूप में उभर रहा है, जहां हर नागरिक के अपने सपने हैं, अपने लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी केवल नागरिक की नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की भी है। जब सरकार और नागरिक के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है, तभी विकास की गति तेज होती है।इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवस्था अधिकसंवेदनशील उत्तरदायी और पारदर्शी बने। नागरिक देवो भव का सिद्धांत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शासन को नागरिक- केंद्रित बनाता है।इस संदर्भ में क्षमता निर्माण आयोग (कैपेसिटी बिल्डिंग कमिशन) और आईगोट मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं है,बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है, जहां हर सरकारी कर्मचारी एक कर्मयोगी के रूप में कार्य करे। कर्मयोगी वह होता है,जो अपने कर्तव्य को पूजा मानता है और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है।

कुसंगति त्यागें धर्मबुद्धि जागे जीवन बने उज्ज्वल और संस्कारित

लेखक- कांतिलाल मांडोत

मनुष्य का जीवन संगति से निर्मित होता है। जैसा वातावरण मिलता है वैसा ही मनुष्य का स्वभाव बनता जाता है। प्राचीन नीतिकारों ने स्पष्ट कहा है कि अच्छे और बुरे लोगों का प्रभाव मन पर अवश्य पड़ता है। आम और नीम के उदाहरण से यह बात समझाई गई है कि यदि दोनों के मूल एक साथ जुड़े हों तो मीठा आम भी कड़वाहट ग्रहण कर लेता है। यही स्थिति मनुष्य जीवन में भी देखी जाती है। कुसंगति का प्रभाव धीरे धीरे व्यक्ति के विचारों और आचरण को बदल देता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि मनुष्य अपनी संगति को लेकर सजग रहे और सदैव उत्तम मार्ग का चयन करे। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि बुरे लोगों का प्रभाव जल्दी क्यों पड़ता है और अच्छे लोगों का प्रभाव उतनी तीव्रता से क्यों नहीं पड़ता। इसका कारण मनुष्य की प्रवृत्ति में छिपा हुआ है। बुराई आकर्षक प्रतीत होती है और वह सरल मार्ग का भ्रम देती है। जबकि अच्छाई में अनुशासन और संयम की आवश्यकता होती है। सज्जन का हृदय कोमल होता है इसलिए वह दूसरों के प्रभाव में जल्दी आ सकता है जबकि दुर्जन कठोर होता है और अपने स्वभाव को नहीं छोड़ता। यही कारण है कि सज्जन व्यक्ति को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अविवेक है। बाहरी शत्रु उतना नुकसान नहीं पहुंचाता जितना कि गलत निर्णय और गलत संगति पहुंचा देती है। परिवार में भी यदि माता पिता विवेकशील नहीं हैं तो वे अपनी संतान को सही दिशा नहीं दे पाते। आज के समय में यह देखा जा रहा है कि माता पिता अपने बच्चों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर तो ध्यान देते हैं लेकिन उनके नैतिक और आध्यात्मिक विकास की ओर उतना ध्यान नहीं देते। परिणामस्वरूप बच्चे भटक जाते हैं और जीवन के सही मार्ग से दूर हो जाते हैं। संस्कारों का निर्माण बचपन से ही होता है। बालक का मन अत्यंत कोमल होता है। वह जैसा देखता है वैसा ही सीखता है। इसलिए यह आवश्यक है कि उसे अच्छा वातावरण दिया जाए। आज के युग में मनोरंजन के साधनों ने बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डाला है। यदि इन साधनों का उपयोग सावधानी से नहीं किया गया तो यह बच्चों को गलत दिशा में ले जा सकते हैं। इसलिए माता पिता का यह कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों के व्यवहार पर ध्यान दें और उन्हें सही मार्ग दिखाएं। एक प्रेरक प्रसंग इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक व्यक्ति जो स्वयं सुन नहीं सकता था वह प्रतिदिन अपने बच्चों को लेकर संतों के प्रवचन में जाता था। जब लोगों ने उससे पूछा कि उसे तो कुछ सुनाई नहीं देता फिर वह क्यों आता है तो उसने उत्तर दिया कि वह अपने बच्चों के संस्कारों के लिए आता है। उसका मानना था कि यदि बच्चे अच्छे संस्कारों से युक्त होंगे तो वे जीवन में सही निर्णय लेंगे और धन का सदुपयोग करेंगे। यह दृष्टिकोण हर माता पिता के लिए प्रेरणादायक है। परंपराओं का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम अपनी अच्छी परंपराओं को नहीं बचाएंगे तो समाज में नैतिकता का पतन हो जाएगा। नई पीढ़ी को आधुनिकता के साथ साथ संस्कारों का भी ज्ञान होना चाहिए। केवल भौतिक उन्नति से जीवन सफल नहीं होता। नैतिक मूल्यों और धर्मबुद्धि के बिना जीवन अधूरा रह जाता है। वर्तमान समय में बुराइयों का प्रभाव बढ़ता हुआ दिखाई देता है लेकिन यह सत्य है कि अंततः विजय सत्य की ही होती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि असत्य और अधर्म अधिक समय तक टिक नहीं सकते। इसलिए हमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सजग रहकर समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए। संगति का प्रभाव इतना गहरा होता है कि वह मनुष्य के जीवन की दिशा बदल सकता है। यदि व्यक्ति बुरे लोगों के संपर्क में रहता है तो वह धीरे धीरे उनके जैसा बनने लगता है। प्रारंभ में यह प्रभाव छोटा होता है लेकिन समय के साथ यह गहरा हो जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मित्रों और परिचितों का चयन सोच समझकर करें। एक हास्य प्रसंग के माध्यम से भी यह समझाया गया है कि बुरी आदतें धीरे धीरे विकसित होती हैं। प्रारंभ में वे छोटी लगती हैं लेकिन बाद में वे गंभीर रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को गलत आदत लग जाए तो उसे छोड़ना कठिन हो जाता है। इसलिए शुरुआत में ही सावधानी बरतनी चाहिए। एक अन्य उदाहरण में बताया गया है कि एक व्यक्ति ने शेर का पालन किया। वह उसे शाकाहारी बनाना चाहता था लेकिन अंततः शेर ने अपने स्वभाव को नहीं छोड़ा। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि स्वभाव और संगति का प्रभाव कितना गहरा होता है। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि बुरे तत्वों के साथ रहकर अच्छा बने रहना अत्यंत कठिन है। महापुरुषों ने हमेशा कुसंगति से दूर रहने की शिक्षा दी है। उन्होंने कहा है कि बुरे मित्र से अच्छा है कि व्यक्ति अकेला रहे। काजल की कोठरी में जाने से दाग लगना निश्चित है। इसलिए हमें अपने जीवन को पवित्र बनाए रखने के लिए बुरी संगति से बचना चाहिए। जीवन का प्रत्येक क्षण मूल्यवान है। यदि हम इसे अच्छे कार्यों में लगाते हैं तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। लेकिन यदि हम इसे व्यर्थ में गंवाते हैं तो यह हमें गलत दिशा में ले जा सकता है। खाली मन में नकारात्मक विचार जल्दी प्रवेश करते हैं इसलिए हमें सदैव व्यस्त और जागरूक रहना चाहिए। आत्मावलोकन भी अत्यंत आवश्यक है।

संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी, BCCI से की ये मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है। ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूज़र और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और

खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।' उन्होंने लिखा, 'अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे–ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे।' दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच क्या बात हुई, यह स्पष्ट नहीं है।

कोच ही एथलीटों से करवा रहा था डोपिंग! नाबालिगों को भी नहीं छोड़ा; 10 साल बाद खुली पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मध्यस्तता न्यायालय (सीएएस) की एंटी-डोपिंग डिवीजन ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कोच पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। दोनों को खिलाड़ियों और नाबालिगों को प्रतिबंधित दवाएं देने का दोषी पाया गया है। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों की वजह से पूरी दुनिया में रोज ही किरकिरी कराता है। अब ऐसा ही कुछ उसने खेल जगत में भी किया, जिसकी वजह से वह कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं बचा है। खेल मध्यस्तता न्यायालय (सीएएस) की एंटी-डोपिंग डिवीजन ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के पूर्व अध्यक्ष हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। दोनों को खिलाड़ियों और नाबालिगों को प्रतिबंधित दवाएं देने का दोषी पाया गया। सीएएस के फैसले के मुताबिक, 2014 से 2016 के बीच दोनों अधिकारियों ने बड़े स्तर पर डोपिंग गतिविधियों को बढ़ावा दिया और खिलाड़ियों को स्टेरॉयड जैसे प्रतिबंधित पदार्थ दिए। इस गंभीर अपराध को देखते हुए उन्हें खेल से हमेशा के लिए बाहर कर दिया गया है।

हार के बाद रहाणे के स्ट्राइट रेट पर उठे सवाल

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपने स्ट्राइक रेट को लेकर हो रही आलोचना के बारे में कहा कि इस चर्चा के पीछे एक 'खास एजेंडा' और 'ईर्ष्या' का भाव मौजूद है। KKR की IPL में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 65 रन की करारी हार के बाद रहाणे के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठने लगे हैं। KKR की टीम 227 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए 16 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई। यह इस सत्र में उसकी लगातार दूसरी हार है। इस हार ने सारा ध्यान रहाणे के प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट पर केंद्रित कर दिया।

गुरुवार को 10 गेंदों में 8 रन बनाने वाले चयनकर्ता कप्तान ने आलोचनाओं पर अप्रत्याशित रूप से तल्ख रवैया अपनाया। रहाणे ने मैच के बाद कहा, 'जहां तक मेरे स्ट्राइक रेट का सवाल है तो मुझे लगता है कि 2020 से अब तक मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, शायद वे मैच नहीं देख रहे हैं या उनके मन में मेरे खिलाफ कोई खास एजेंडा है। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है। वे नहीं चाहते कि मैं खेलता रहूं। मैंने जितनी सफलता हासिल की है उसे देखकर शायद वे मुझसे ईर्ष्या करते हैं। मुझे इसकी ज्यादा चिंता नहीं है।'

भारतीय टीम से बाहर चल रहे इस खिलाड़ी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के लिए 10 पारियों में 161.57 के स्ट्राइक रेट से 391 रन बनाए थे। पिछले साल केकेआर आठवें स्थान पर रहा था लेकिन रहाणे ने टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। रहाणे बीच के ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में रहाणे ने पहली 18 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन अगली 22 गेंदों में केवल 31 रन ही बना सके। रहाणे ने कहा, 'जो लोग बातें कर रहे हैं उन्हें खेल की समझ नहीं है और मुझे लगता है कि वे चाहते हैं कि मैं एक अलग तरह की पारी खेलूं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि अजिंक्य रहाणे अपने खेल में इतना सुधार कर लेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बातें कर रहे हैं, फिर चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक।' उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं। उन्हें बात करने दीजिए। लेकिन बल्लेबाजी और साझेदारी के लिहाज से यह शानदार रहा है। मुंबई के खिलाफ हमने बहुत अच्छी साझेदारी की थी।' सनराइजर्स के खिलाफ अपनी धीमी पारी के बारे में रहाणे ने कहा, 'आप लोग जानते हैं कि मैं क्या कर रहा हूं। कभी-कभी बल्लेबाज के रूप में आपको वह लय नहीं मिलती, जिसकी आप उम्मीद करते हैं।'

अभिषेक शर्मा पर लगा जुर्माना, अंपायर के फैसले पर जताई थी आपत्ति

कोलकाता, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शर्मा को एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। अभिषेक शर्मा ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है। आईपीएल की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अभिषेक ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को मान लिया। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला आखिरी और मानने वाला होता है। अभिषेक ने केकेआर के खिलाफ मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 48 रन की पारी खेली। उनका आउट होना विवादित रहा और अंपायर के फैसले पर उन्होंने नाराजगी जताई। दरअसल, वरुण चक्रवर्ती ने डाइव लगाते हुए अभिषेक का कैच लिया था। उस समय ऐसा लग रहा था कि गेंद जमीन को छू गई है। यह घटना पारी के नौवें ओवर में हुई थी। थर्ड अंपायर ने कैच को वैध मानते हुए अभिषेक को आउट करार दिया। अभिषेक इस फैसले से सहमत नहीं थे और उन्होंने निराशा जताई। इस वजह से उन पर जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल के लिए नहीं मिली श्रीलंका क्रिकेट से एनओसी

तुषारा ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजाः रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने तेज गेंदबाज नुवान तुषारा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेने के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) देने से मना कर दिया, जिसके बाद तुषारा ने कोलंबो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका दायर कर कानूनी दखल की मांग की है। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज को आईपीएल 2026 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट मिला था। इससे पहले, पिछले दो सीजन में भी उन्होंने बोर्ड की मंजूरी के साथ इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। हालांकि, 'न्यूज वायर श्रीलंका' की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार एसएलसी ने उन्हें एनओसी देने से मना कर दिया है। बोर्ड का कहना है कि तुषारा जरूरी फिटनेस मानकों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। इस मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई, जिसमें कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 9 अप्रैल की तारीख तय की है। अपनी याचिका में, तुषारा ने एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, सचिव बंदुला दिसानायके, कोषाध्यक्ष सुजीवा गोदालियाद्दा और सीईओ एशले डी सिल्वा को प्रतिवादी बनाया है। तुषारा ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि बोर्ड के साथ उनका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2026 को खत्म हो रहा है, उन्होंने पहले ही बोर्ड को बता दिया था कि वे इस कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

2027 से बढ़ जाएगी आईपीएल मैचों की संख्या, कम हो सकती है द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां संस्करण जारी है, 6 मैच खेले जा चुके हैं और आज चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच 7वां मैच है। इस सीजन 10 टीमें खेल रही हैं, जिनके बीच कुल 74 मैच खेले जाएंगे. लेकिन 2027 के बाद से मैचों की संख्या बढ़ सकती है. आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि आईपीएल विंडो बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है.

आईपीएल में जब 8 टीमें खेलती थी तब प्रत्येक टीम हर टीम से 2-2 मैच खेलती थी. लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस 2022 से खेल रही है, कुल टीमों की संख्या 10 हो गई है और अब लीग स्टेज में हर टीम सभी टीमों के साथ 2-2 मैच नहीं खेल पाती. अरुण धूमल का मानना है कि बिजी क्रिकेट कैलेंडर के कारण जगह इतनी नहीं है कि मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 की जाए. डबल हेडर की संख्या बढ़ाना उन्हें व्यावहारिक नहीं लगता. हालांकि उन्होंने माना कि भविष्य में आईपीएल विंडो को बढ़ाया जा सकता है.

ईरान के मैचों को अमेरिका की जगह मैक्सिको में कराने का मामला नहीं सुलझा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल राजनीति (डिप्लोमेसी) एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले ने हालात को मुश्किल और जटिल बनाया था। ईरान की फुटबॉल टीम और उसके विश्व कप अभियान पर इसका सीधा असर पड़ा था। इस बीच फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और ईरानी फुटबॉल अधिकारियों के बीच तुर्की में हुई बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ईरान की विश्व कप भागीदारी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। हालांकि इस मुलाकात में सकारात्मक संकेत मिले, लेकिन एक बड़ा मुद्दा–ईरान के मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने का–अब भी अनसुलझा है। मार्च 2025 के दौरान ईरान की स्थिति काफी अनिश्चित रही। सरकारी स्तर पर यह संकेत दिए गए कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकती या उसे अमेरिका जाने में मुश्किल हो सकती है। यहां तक कि फीफा से यह भी मांग उठी कि ईरान के मैचों को किसी अन्य देश, खासकर मेक्सिको, में स्थानांतरित कर दिया जाए। हालांकि फीफा ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा और ईरान को अमेरिका में ही अपने मैच खेलने होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों ने स्थिति को और उलझा दिया। ट्रंप ने पूर्व में ईरान को विश्व कप के लिए अहम न होने या फिर टीम के भाग लेने की स्थिति में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी। हालांकि फीफा लगातार एक स्पष्ट रुख अपनाए हुए है और इन्फेंटिनो ने भरोसा दिलाया है कि ईरान की टीम को सभी आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा दी जाएगी। ईरान की टीम ने भी मुश्किल हालातों के बीच तैयारी जारी रखी है।

व्यापार

टाटा मोटर्स के शेयर पर सोमवार को रखें नजर, 35 प्रतिशत टूटने के बाद भी क्यों बुलिश है जियोजित

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का शेयर पिछले एक साल में काफी पिछड़ गया है। यह अपने 52-सप्ताह के हाई 459.67 रुपये से 35 प्रतिशत से अधिक नीचे है। पिछले एक वर्ष में टाटा का शेयर 28 प्रतिशत गिरा है, जबकि बेंचमार्क निफ्टी 50 में केवल 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद घरेलू ब्रोकरेज फर्म जियोजित इन्वेस्टमेंट्स ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयरों पर रेटिंग दी है। फर्म ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर का टारगेट प्राइस 341 रुपये तय किया है, जो मौजूदा कीमत से 15 प्रतिशत अधिक है। जियोजित के अनुसार, टीएमपीवी ने उत्पादन में रुकावट और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर की कीमत पर सोमवार को निवेशकों की निगाहें टिकी रहेंगी। 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के थोक और रिटेल सेल के आंकड़े है। पिछले वर्ष की तुलना में चौथी तिमाही में यूरोप को छोड़कर सभी बाजारों में थोक बिक्री घटी है। यूरोप में 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अन्य बाजारों में यूके में 23.1 प्रतिशत, उत्तरी अमेरिका में 19.0 प्रतिशत, चीन में 29.8 प्रतिशत, ओवरसीज (अन्य विदेशी बाजार) में 7.9 प्रतिशत और मेना क्षेत्र में 2.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। पूरे वित्त वर्ष 2026 के दौरान जेएलआर की थोक बिक्री की मात्रा पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 23.2 प्रतिशत घटकर 307,900 यूनिट रह गई।

पीएनजी विस्तार से एलपीजी पर दबाव होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एलपीजी सिलेंडर की पैनिक बाइंग जारी है। इंडेन, एचपी गैस और भारत गैस पर बुकिंग के लिए क्या-क्या तरीके है... पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि सरकार घरेलू एलपीजी पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन के विस्तार को तेजी से आगे बढ़ा रही है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अंतरराष्ट्रीय हालात एनर्जी सप्लाई पर असर डाल रहे हैं। सरकार घरेलू गैस सप्लाई को संतुलित रखने के लिए नेटवर्क का विस्तार कर रही है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इंटर-मिनिस्ट्रीयल ब्रीफिंग के दौरान कहा कि सरकार ने देशभर में पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएनजी को बढ़ावा देना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे पर निर्भरता कम होगी और सप्लाई पर दबाव घटेगा। राज्यों को प्रोत्साहन देने की नीति : सरकार ने राज्यों को विस्तार के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एक विशेष प्रावधान भी किया है। इसके तहत जो राज्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए को बढ़ावा देंगे, उन्हें अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी दी जाएगी। कई राज्यों को मिल चुका है लाभ : सरकार के मुताबिक, इस नीति का लाभ कई राज्यों को मिल चुका है। अब तक आठ राज्यों को अतिरिक्त का आवंटन किया जा चुका है, जबकि तीन राज्यों के आवेदन अभी विचाराधीन हैं।

रेलवे कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड को मिला 242 करोड़ रुपये का काम

मुंबई, एजेंसी। सरकारी रेलवे कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड को 242 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी को यह वर्क ऑर्डर साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है। इस कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार कंपनी को डिजाइन, सप्लाई, टेस्टिंग और कमिशनिंग का काम है। कंपनी को मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड करके वो सिस्टम करना है। इसमें फीडर और अर्थिंग का काम शामिल है। बता दें, रेल विकास निगम लिमिटेड को यह प्रोजेक्ट 24 महीने में पूरा करना होगा। इससे पहले कंपनी को छत्तीसगढ़ में काम मिला था। उस वर्क ऑर्डर के अनुसार कंपनी को 952700000 रुपये का काम मिला था। इस वर्क ऑर्डर को रेल विकास निगम लिमिटेड को 36 महीने में पूरा करना है। गुरुवार को शेयर बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 0.67 प्रतिशत की गिरावट के बाद 260.85 रुपये के लेवल पर था। पिछले तीन महीने में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, 1 साल में यह रेलवे स्टॉक 27 प्रतिशत लुढ़क चुका है। रेल विकास निगम लिमिटेड का 52 वीक हाई 448 रुपये और 52 वीक लो लेवल 248.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 54387 करोड़ रुपये का है। दो साल में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 1.32 प्रतिशत गिरा है। भले दो साल से शेयर बाजार में यह रेलवे स्टॉक संघर्ष कर रहा है। इसके बावजूद भी तीन साल में आरवीएनएल के शेयरों का भाव 280 प्रतिशत बढ़ा है। 5 साल में रेल विकास निगम लिमिटेड ने 779 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

सोलर पावर प्रोजेक्ट वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ, 2.55 करोड़ होंगे फ्रेश शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग मार्केट में एनर्जी सेक्टर से जुड़ी एक और कंपनी की एंट्री होने वाली है। दरअसल, सोलर पावर प्रोजेक्ट्स की कंपनी सद्भाव फ्यूचरटेक का आईपीओ लॉन्च होगा। कंपनी ने फंड जुटाने के लिए कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किया है। 2.55 करोड़ तक इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू होगा।

इसके अलावा, ऑफर फॉर सेल के तहत शेयर बेचने वालों में 235 करोड़ रुपये के शेयर शामिल हैं। बता दें कि प्रमोटर साईकत रॉय, भूपिंदर सिंह, नीलम जैन समेत कुछ अन्य व्यक्ति और संस्थाएं ओएफएस में शेयर बेचेंगे। आईपीओ के नए इश्यू से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कंपनी की वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा।

सद्भाव फ्यूचरटेक सोलर पावर प्रोजेक्ट्स की

इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन के काम में लगी हुई है, जिसका खास जोर सोलर वॉटर पंपिंग सिस्टम, रूफटॉप सोलर सिस्टम और जमीन पर लगने वाले सोलर सिस्टम से जुड़े सेगमेंट्स पर है। इसकी कुल इंस्टॉल की गई क्षमता 171.68 है, जिसमें 171.53 के सोलर वॉटर पंपिंग सिस्टम और 0.15 के रूफटॉप सोलर सिस्टम शामिल हैं। कंपनी के पास एक कॉन्ट्रैक्ट था और उसे 120 का जमीन पर लगने वाला सोलर सिस्टम लगाने के लिए दो 'लेटर ऑफ इंटेंट' (आशय पत्र) मिले थे। वित्तीय मोर्चे पर, कंपनी का ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू वित्त वर्ष 2023 के 73.05 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 302 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 103 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा। इसका प्रॉफिट वित्त वर्ष 2023 के 0.85 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 30.80 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 502.56 प्रतिशत की दर्ज की गई। पिछले कुछ साल में इस कंपनी ने महाराष्ट्र, असम, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में अपना विस्तार किया है। फरवरी के आखिर तक सद्भाव फ्यूचरटेक की ऑर्डर बुक का कुल मूल्य 2016 करोड़ रुपये था, जिसमें से 30 सितंबर 2025 तक 585.88 करोड़ रुपये का रेवेन्यू बुक किया जा चुका था। इस ऑर्डर बुक में 19 प्रोजेक्ट्स शामिल थे, जिनके पूरा होने की समय-सीमा 3 से 18 महीने के बीच थी। कुल ऑर्डर बुक में सरकारी एजेंसियों और निजी ग्राहकों द्वारा दिए गए प्रोजेक्ट शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)